डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनूमाः जेल में न्यूड घूमने की सलाह पर भड़कीं मदना करीमी

वर्ष -08 अंक -34 | प्रयागराज, शुक्रवार 08 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

जलवायु परिवर्तन के चलते टूट रही पक्षियों की जंडियां, कई प्रजातियों के लिए बढ़ा संकट

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के चलते हमें ज्यादा गर्मी महसूस होने लगी। कई जगहों पर भारी बारिश और सूखे जैसे हालात भी बनते दिख रहे हैं। लेकिन कुछ ऐसे जीव हैं जिनके अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो गया है। अल्बाट्रॉस पक्षी अपने साथी के प्रति जीवनभर वफादारी के लिए जाने जाते रहे है। लेकिन हाल ही में हुए अध्ययन से पता चला है की ये पक्षी अपने साथी के साथ नहीं रहना चाहते और उन्हें छोड़ रहे हैं। यूनिवर्सिडेड डी लिस्बोआ, मोंटाना विश्वविद्यालय, दक्षिण अटलांटिक पर्यावरण अनुसंधान संस्थान और इंस्टीट्यूटो यूनिवर्सिटीरियो, रुआ जार्डिम डो ताबाको के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में पाया है कि फ़ॉकलैंड द्वीप समूह पर पाए जाने वाले खूबसूरत अल्बाट्रॉस पक्षियों के बीच अपने साथी को छोड़ने की घटनाएं बढ़ी हैं। अध्ययन में पाया गया कि जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि हो रही है उसके समुद्र का तापमान भी बढ़ रहा है जो इन जीवों के आपसी संबंधों को प्रभावित कर रहा है। शोधकर्ताओं ने जलवायु परिवर्तन का असर इन पक्षियों पर जानने के लिए पिछले 15 वर्षों में इस द्वीप पर रहने वाले 15,500 पक्षियों के जोड़ों का अध्ययन किया। यह शोध प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि सामान्य तौर पर अपना साथी चुन लेने के बाद इन पक्षियों में केवल एक से तीन फीसदी पक्षी ही एक दूसरे का साथ छोड़ते थे। लेकिन पिछले कुछ सालों में तापमान बढ़ने से पक्षियों के अपने साथी हो छोड़ने का आंकड़ा बढ़कर 8 फीसदी पर पहुंच गया है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने के लिए शोधकर्ताओं ने मौसम और पर्यावरण के आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया है।एल्बाट्रॉस समुद्री पक्षी होते है, जो बत्तख की तरह दिखता है। ये समुद्र में कुछ द्वीपों पर पाए जाते हैं। इनका जीवनकाल 12 से 60 साल तक का होता ये पक्षी काफी लम्बी दूरी तक उड़ान भर सकते हैं। अपने साथी के प्रति वफादार रहना इनकी खूबियों में से एक है। एक बार अपना साथी चुनने के बाद इनका रिश्ता कई दशकों तक रहता है।शोधकर्ताओं के मुताबिक इन पक्षियों को जलवायु परिवर्तन के चलते जिस द्वीप पर ये रहते हैं उसके आसपास खाना मिलने में मुश्किल हो रही है।

जगनमोहन सरकार में होगा बड़ा फेरबदल

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार में कैबिनेट के कई मंत्रियों के 9 या 11 अप्रैल को इस्तीफा देने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश कैबिनेट के कई मंत्री 9 या 11 अप्रैल को इस्तीफा दे सकते हैं। आंध्र प्रदेश के सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आज इस्तीफा देने वाले मंत्रियों की अंतिम सूची राज्यपाल को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रियों के आज ही इस्तीफा देने की संभावना है। वर्तमान कैबिनेट से केवल 4 मंत्री ही पद पर बने रहेंगे। एक दिन पहले ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। उन्होंने राज्य में चल रही विकास परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की थी। आपको बता दें कि वर्तमान मंत्रिमंडल में मौजूद सभी मंत्रियों ने 8 जून 2019 को शपथ ली थी। जगनमोहन सरकार में ये अब तक का सबसे बड़ा फेरबदल होगा।

अमित शाह ने की NDRF की जमकर तारीफ, कहा अब बड़ा साइक्लोन भी आ जाए संभाल लेंगे

नई दिल्ली। आपदा प्रतिक्रिया के लिए क्षमता निर्माण पर वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एनडीआरएफ अकेला ही हमारी आधी चिंताओं को दूर कर देता है। विज्ञान भवन में

आयोजित इस समारोह में शाह ने एनडीआरएफ की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि जब हमें किसी भी आपदा के दौरान एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती के बारे में पता चलता है, तो हम अपनी आधी चिंताओं से स्वतः ही मुक्त हो जाते हैं क्योंकि हमें पता है कि अब एनडीआरएफ सब संभाल लेगा। शाह ने आगे कहा कि ने अब दुनियाभर में आपदा के क्षेत्र में अपना सिक्का जमा लिया है। कई बार पड़ोस के देशों में जाकर भी इस फोर्स ने मानवता के लिए कई बड़े काम किए हैं। उन्होंने बताया कि 2016 में पीएम मोदी ने एनडीएमए (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) और एनडीएमपी (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना) शुरू की थी और केंद्र सरकार हर तरह की आपदा पर लगातार काम कर रही है। शाह के अनुसार अब तक 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसडीआरएफ का गठन कर दिया है। शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश में केवल संसाधनों के होने से रिसर्च कर देने से कुछ नहीं होता है। गृह मंत्री ने कहा कि रिसर्च को जमीन तक क्रियांवित करने के लिए एक बल की जरूरत होती है जिसमें एनडीआरएफ एक सराहनीय कार्य कर रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2001 में गुजरात में आए भूकंप के बाद का दृश्य अपनी आंखों से देखा था जिसमें हजारों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। और 1999 के उड़ीसा में आए सूपर साइक्लोन को भी देखा जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की मौत हुई थी। शाह ने कहा कि लेकिन आज हम एनडीआरएफ ने कारण इतने काबिल हो गए हैं कि अब कितना भी बड़ा साइक्लोन आ जाए हमारा देश उससे निपट लेगा।

कैबिनेट और आर्थिक मामलों की समिति की बैठक आज, युद्ध और पड़ोसी देशों के आर्थिक हालात पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक आज शाम 7 बजे लोक कल्याण मार्ग पर होगी। इसके अलावा आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक भी आज शाम होगी। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यूक्रेन की स्थिति और आपरेशन गंगा के माध्यम से भारतीय नागरिकों को निकालने पर लोकसभा में हुई चर्चा की सराहना की। उन्होंने कहा कि चर्चा के उच्च स्तर से पता चलता है कि विदेश नीति के मामलों पर आम सहमति है, जो विश्व मंच पर भारत के लिए अच्छा है। दरअसल, पीएम मोदी के निर्देश पर चार केंद्रीय मंत्री यूक्रेन से सटे देश गए थे। इनमें हरदीप सिंह पुरी, किरेन रिजिजू, ज्योतिरादित्य सिंधिया और जनरल वीके सिंह शामिल है। जिन्होंने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित निकालने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने यूक्रेन-रूस संकट से उत्पन्न हुई जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का मुद्दा उठाया। इसके जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत इस युद्ध का शांति से हल चाहता है जो केवल बातचीत से ही निकल सकता है। लोकसभा में बोलते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि खून बहाकर और मासूमों की जान की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस युग में संवाद और कूटनीति किसी भी विवाद का सही उत्तर है। अगर भारत दोनों देशों में इसके समाधान में कुछ कर सकता होगा तो वह जरूर अपनी भूमिका निभाएगा। मंत्री ने कहा कि अगर भारत ने एक पक्ष चुना है तो यह शांति का पक्ष है।

यह हमारा सैद्धांतिक रुख है और इसने संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों और बहसों में लगातार हमारी स्थिति का मार्गदर्शन किया है। इसके अलावा विदेश राज्य मंत्री डा राजकुमार रंजन ने सोमवार को यह जानकारी दी है कि भारत श्रीलंका में चल रहे आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए भोजन और ईंधन भी उपलब्ध करा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने खादय सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से अत्यधिक गरीबी में वृद्धि को टाला है। आईएमएफ के अनुसार, 2019 में भारत में अत्यधिक गरीबी (पीपीपी 1.9 प्रति व्यक्ति प्रति व्यक्ति से कम) 1 प्रतिशत से कम है और यह महामारी वर्ष 2020 के दौरान भी उस स्तर पर बनी हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, महामारी के दौरान भारत में अत्यधिक गरीबी के स्तर में किसी भी वृद्धि को रोकने में महत्वपूर्ण रही है। आपको बता दें कि बजट सत्र 31 जनवरी 2021 को शुरू हुआ। इसका पहला सत्र 11 फरवरी को समाप्त हुआ था। जबकि 14 मार्च से शुरू हुए संसद के बजट सत्र का दूसरा सत्र 8 अप्रैल को समाप्त होगा।

पीएम मोदी ने दी बधाई, वियतनाम के राजदूत ने योग को लेकर की भारत सरकार की तारीफ

नई दिल्ली। आज दुनियाभर में 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जा रहा है। भारत में भी स्वास्थ्य के प्रति सरकार कई स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने लाल किले में 'योग उत्सव' समारोह में हिस्सा लिया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अवसर पर लोगों के स्वास्थ्य की कामना की। पीएम ने ट्वीट कर कहा कि सरकार आने वाले समय में समग्र स्वास्थ्य क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अपने आयुष नेटवर्क को मजबूत करने जा रही है। लाल किले में योग उत्सव समारोह पर भारत में वियतनाम के राजदूत फाम सान चाऊ ने योग को सबके लिए महत्वपूर्ण बताया और हर दिन इसका अभ्यास करने को कहा।

राजनाथ सिंह रक्षा उपकरणों के स्वदेशीकरण की तीसरी सूची आज करेंगे जारी, पांच वर्षों में करोड़ों के आर्डर दिए जाने की संभावना

नई दिल्ली। रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक उपलब्धि के तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को तीसरी सूची जारी करेंगे जिसमें वे प्रमुख उपकरण व प्रणालियों के नाम शामिल होंगे जिनका दिसंबर 2025 तक पूरी तरह से स्वदेशीकरण कर लिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, तीसरी सूची में लगभग 100 उपकरण और प्रणालियां होंगी जिन्हें जल्द से जल्द पूरी तरह स्वदेशी तरीके से बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है पहली सूची 101 वस्तुओं की और दूसरी सूची 108 वस्तुओं की है जो क्रमशः 21 अगस्त, 2020 और 31 मई, 2021 को जारी की गई थीं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तीसरी सूची में शामिल वस्तुओं के हिस्से के रूप में अगले पांच वर्षों में उदयोग को 2,10,000 करोड़ रुपये से अधिक के आर्डर दिए जाने की संभावना है। यूक्रेन में जारी संकट के स्पष्ट संदर्भ में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारतीय वायु सेना (आइएएफ) के शीर्ष कमांडरों से कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति ने फिर से 'सैन्य हार्डवेयर' के स्वदेशीकरण की आवश्यकता को स्पष्ट किया है। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के कमांडरों के तीन दिवसीय सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में, सिंह ने उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर भारत के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और भारतीय सशस्त्र बलों के उभरती परिस्थितियों का जवाब देने में सक्षम होने पर संतोष व्यक्त किया। वायु सेना अधिकारियों के मुताबिक रक्षा मंत्री

ने आपरेशन गंगा में भारतीय वायुसेना की भूमिका की भी प्रशंसा की, जिसके तहत संकट में फंसे भारतीयों को यूक्रेन से निकाला गया। आइएएफ के कमांडर भारत की सुरक्षा चुनौतियों और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बल की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। अपने संबोधन में, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कमांडरों को सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा। भारतीय वायुसेना के एक बयान के अनुसार, उन्होंने संपत्तियों के संरक्षण, संसाधनों का बेहतर उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए संयुक्त कौशल की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

तय वक्त से एक दिन पहले आज संसद के बजट सत्र का हो सकता है समापन

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र अपने पूर्व निर्धारित समय से एक दिन पहले गुरुवार को संपन्न हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि संसद के दोनों सदनों लोकसभा व राज्यसभा को एक साथ अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया जा सकता है। बजट सत्र का पूर्वर्द्ध 31 जनवरी को प्रारंभ हुआ था और केंद्रीय बजट पेश किए जाने के बाद 11 फरवरी को समाप्त हुआ था। इसके बाद दोनों सदनों में बजट पत्र के परीक्षण के लिए अवकाश की घोषणा कर दी गई थी। बजट सत्र के उत्तरर्द्ध की शुरुआत 14 मार्च को हुई थी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बजट सत्र का समापन आठ अप्रैल को होना था।

छावला सामूहिक दुष्कर्म में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, 10 साल पुराने मामले में दोषियों को मिली है फांसी की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली के छावला सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। दुष्कर्म के तीनों दोषियों को निचली अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है, जिस पर हाईकोर्ट भी अपनी मुहर लगा चुका है। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। तीनों दोषियों राहुल, रवि और विनोद को निचली अदालत ने 2014 में मौत की सजा सुनाई थी। बता दें कि सामूहिक दुष्कर्म का ये मामला करीब 10 साल पुराना है। 9 फरवरी 2012 को 17 साल की नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया था। दरअसल, नाबालिग लड़की दो सहेलियों के साथ रात करीब पौने नौ बजे छावला स्थित हनुमान चौक से घर की तरफ जा रही थी। तभी रास्ते में एक लाल रंग की इंडिका कार आई जिससे दो युवक बाहर निकले और उन्होंने लड़की को जबरन कार में खींच लिया।

सत्र के दौरान बजट प्रक्रिया के अलावा कुछ अहम विधेयक भी पारित हुए, जिनमें दिल्ली नगर निगम (संशोधन) विधेयक व अपराध प्रक्रिया (पहचान) विधेयक शामिल

है। बुधवार को लोकसभा में यूक्रेन के मौजूदा हालातों को लेकर चर्चा पर भारत के लिए अच्छी है। पीएम ने ट्वीट कर कहा कि पिछले कुछ हुई। पीएम मोदी ने चर्चा का सार्थकता को लेकर कहा कि सदन में हुई चर्चा के उच्च स्तर से पता चलता है कि विदेश नीति के मामलों पर आम सहमति है जो विश्व मंच दिनों में यूक्रेन में हालात और आपरेशन गंगा के जरिए भारतीय नागरिकों को वापस लाने के प्रयासों पर संसद में स्वस्थ चर्चा हुई। मैं सभी सांसद सहयोगियों का आभारी हूं जिन्होंने अपने विचारों से इस चर्चा को समृद्ध किया। आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक का विरोध कर रहे विपक्ष को गृह मंत्री अमित शाह ने आड़े हाथों लिया। उच्च सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि विपक्ष को सरकार के हर काम को संदेह की नजर से नहीं देखना चाहिए। यह विधेयक लाने का सिर्फ एक मकसद है कि अपराधियों के खिलाफ पुख्ता इलेक्ट्रानिक सुबूत जुटाकर उन्हें जल्द से जल्द सजा हो सके।

अपराधियों की अब खैर नहीं, आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक पर लगी संसद की मुहर

नई दिल्ली। आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक की सिर्फ खामियां गिनाने और एक भी उपयोगी सलाह नहीं देने को लेकर गृह मंत्री अमित

शाह ने विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लिया। राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के हर काम को शंका की नजर से न देखे। इस विधेयक को लाने का एकमात्र उद्देश्य अपराधियों के खिलाफ पुख्ता इलेक्ट्रानिक सुबूत जुटाकर जल्द से जल्द सजा दिलाना है। विपक्ष को इसमें राजनीति नहीं देखनी चाहिए। आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक, 2022 पर संसद ने मुहर लगा दी है। बुधवार को यह बिल राज्यसभा में पारित हो गया। लोकसभा ने इसे सोमवार को ही पास कर दिया था। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा, जो बंदी पहचान अधिनियम, 1920 का स्थान लेगा। दरअसल, लोकसभा और राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा सत्तापक्ष और विपक्ष में बंटी दिखी। लोकसभा में कांग्रेस के मनीष तिवारी के बाद राज्यसभा में पी चिदंबरम ने भी विधेयक को असंवैधानिक, मानवाधिकारों के खिलाफ, निजता के अधिकारों के हनन करने वाला और पुलिस को अत्यधिक शक्तियां देने वाला बताया। तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद, वामपंथी दलों समेत अन्य विपक्षी पाटिर्यों ने भी इन्हीं तर्कों के आधार विधेयक का विरोध किया और उसे संसद की स्थायी या प्रवर समिति को भेजने की मांग की। विपक्ष के इस रवैये पर आपत्ति जताते हुए शाह ने कहा कि सरकार के हर फैसले का विरोध करना उचित नहीं होगा। विपक्ष के सदस्यों को विधेयक के प्रविधानों का विरोध करने और उसकी खामियां गिनाने का अधिकार है, लेकिन यदि वे अपराधियों के खिलाफ साक्ष्य जुटाने के लिए कोई नया सुझाव देते तो बेहतर होता। जघन्य अपराधों में बड़ी संख्या में अपराधियों के अदालतों के छूट जाने का आंकड़ा पेश करते उन्होंने सवाल उठाया कि क्या जनता के प्रतिनिधि होने के नाते विपक्षी नेताओं को अपराध के पीड़ितों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी नहीं है। क्या राजनीति के चक्कर में विपक्ष देश का विचार नहीं करेगा अमित शाह ने विपक्ष को जनता की सुरक्षा, पुलिस सशक्तीकरण और अपराधियों को सजा की दर बढ़ाने के मामले में राजनीति नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'सरकार के हर फैसले को राजनीतिक तराजू से तौलकर शंका के बादल खड़े कर लोगों को गुमराह करना उचित नहीं है।' शाह ने विधेयक के प्रविधानों दुरुपयोग की आशंका जताने पर भी विपक्ष पर हमला बोला।

श्री राम कथा - मां कल्याणी देवी मंदिर भगवान के निर्गुण व सगुण रूप में कोई भेद नहीं - व्यास राजेंद्र जी

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। 6 अप्रैल को श्री नव संवत्सर मानस समिति प्रयागराज द्वारा मां कल्याणी देवी परिसर में नवरात्रि के पावन पर्व पर

आयोजित श्री राम कथा में बोलते हुए मानस मर्मज्ञ व्यास राजेंद्र जी ने बताया कि भक्तों के बुलाने पर भगवान आते है और भक्तों के संकट दूर करते हैं। निराशाओं के श्रण में भगवान की कथाओं में वर्णित सूत्र मन को शांति शक्ति और चेतना प्रदान करते हैं। पूज्य व्यास जी ने बताया निगुन्ही सगुन्ही नहि कछु भेदा निर्गुण व सगुण रूपो में जिसको जो स्वरूप पसंद हो उसी स्वरूप की आराधना करें। जब भगवान अपने गुणों को रूप में प्रकट करते हैं तो साकार हो जाते है, भगवान के प्रति श्रद्धा निष्ठा होनी। व्यास श्री राजेंद्र जी ने श्री राम चरित्र मानस का उदाहरण देते हुए निराकार स्वरूप का वर्णन करते हुए बताया बिनु पगचलइ सुनइ बिनु काना। कर बिनु कर्म करइ विधि नाना।। बताया कि ईश्वर बिनु वाणी वक्ता बड़ जोगी है। इसी प्रकार भक्ति निष्ठा व समर्पण राष्ट्र धर्म के प्रति रखेंगे तो हम विश्व गुरु का गौरव पाने वाले देश के नागरिक होंगे। व्यास राजेंद्र जी ने बताया कि हमें गुरु की सांसों में जीना चाहिए। गुरु के बताए मार्ग से ही दशरथ जी को 4 पुत्र हुए भगवान राम जी उनमें से एक हैं। गीत भजन व लोकगीतों के माध्यम से मनमोहक वाद्य यंत्रों के बीच भीराम के जन्म का प्रकरण सुनाया और भगवान के जन्म पर टॉफी बिस्कुट व प्रसाद वितरित किया गया। उक्त अवसर पर एचदडीएफदसी के उत्तर भारत के प्रमुख अधिकारी श्री मनीष टंडन, भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष श्री गणेश केसरवानी, महामंत्री कुंज बिहारी मिश्रा ने आरती किया एवं पवन केसरवानी, राजेश केसरवानी, लक्ष्मण सिंह ने प्रसाद वितरित किया। समिति के संयोजक पंडित सुशील पाठक ने बताया की राम कथा, देवी मां का श्रृंगार व शतचंडी महायज्ञ 10 अप्रैल तक चलेगा।

नैनी जेल में 516 कैदी नवरात्रि का व्रत तो 450 रख रहे रोज़ा

(आधुनिक समाचार सेव)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के पास स्थित नैनी सेंट्रल जेल में बंद महिलाओं सहित कुल 516 कैदी नवरात्रि में नौ दिन का उपवास रख रहे हैं। वहीं करीब 450 कैदी रमजान के रोजे रख रहे हैं. जेल अधिकारियों ने इनके लिए खास इंतेजाम भी किए हैं। जेल अधिकारियों ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कुल 1,532 कैदियों ने उपवास रखा और नवरात्रि के आठवें दिन भी इतने ही कैदियों के उपवास रखने की उम्मीद है। वहीं इन 1,532 कैदियों में से 516 कैदी नवरात्रि के तमाम धार्मिक अनुष्ठानों का पालन करते हुए पूरे नौ दिनों का उपवास रख रहे हैं। नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीएन पांडे ने बताया, 'नवरात्रि के पहले दिन कुल 1,532 कैदियों ने उपवास रखा था और अष्टमी के दिन भी इतने ही लोगों के उपवास रखने की भी उम्मीद है। इन 1,532 कैदियों में से 516 कैदी पूरे नौ दिन के उपवास पर हैं। पांडे ने बताया कि नवरात्रि के व्रत रखने वाले हर एक कैदी को आधा किलो आलू, तीन केले, 250 ग्राम दूध और 100 ग्राम चीनी दी जा रही है।

महिला से दुष्कर्म और हत्या के बाद फरार मुश्ताक को मुठभेड़ में लगी गोली

प्रयागराज। कौशांबी जनपद में पिछले दिनों घर के भीतर महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या की वारदात अंजाम देकर फरार अपराधी मुश्ताक के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पश्चिम शरीरा के कटरी गांव के

यमुना कछार में मुठभेड़ के दौरान मुश्ताक के पैर में गोली लगी और वह गिर गया। मौके पर पुलिस को अवैध हथियार और कारतूस मिले। इस घटना में शामिल बाकी दो अपराधियों को पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। करारी इलाके का मुश्ताक फरार चल रहा था जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी गोली लगने से घायल मुश्ताक को पुलिस उठाकर जिला अस्पताल ले गई। सीओ मंझनपुर केजी सिंह के नेतृत्व में हुए पुलिस एनकाउंटर के बाद मौके पर एसपी हेमराज मीणा समेत कई पुलिस अधिकारी पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या के बाद से पुलिस की कई टीम मुश्ताक की तलाश में लगी थी। वह लगातार ठिकाने बदल रहा था। गुरुवार सुबह पुलिस को खबर मिली कि वह पश्चिम शरीरा के कटरी में छिपा है तो उसे घेर लिया गया। पुलिस को देखकर वह गोली चलाकर भागने लगा तो बचाव में पुलिस ने भी फायरिंग की जिससे उसके पैर में गोली लगी पश्चिम शरीरा इलाके में महिला 25 मार्च की रात खाना खाने के बाद पीछे वाले कमरे में सो रही थी। इस बीच गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई। दूसरे दिन सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पति की तहरीर पर अज्ञात कातिलों के खिलाफ केस दर्ज किया। मामले की जांच कर रही पुलिस ने आधा दर्जन लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि चित्रकूट के मऊ बियावल निवासी दीपक साहू, मुश्ताक निवासी मोलानी करारी गांव में काफी समय से रहते हैं। इन दोनों के अलावा अमीना गांव के ही भोला की भूमिका संदेह के दायरे में आई। दीपक व भोला की धर-पकड़कर तीन दिन पहले पूछताछ की तो उन्होंने हत्या का जुर्म कबूल कर लिया। साथ ही यह भी बताया कि वह लूट की नीयत से घर में घुसे थे। पहचान होने के कारण महिला की हत्या करना पड़ा। यही नहीं, आरोपितों ने पुलिस को यह भी बताया कि मुश्ताक ने दुष्कर्म भी किया था बहरहाल दोनों आरोपितों को जेल भेजवाने के बाद पुलिस मुश्ताक की तलाश कर रही थी। गुरुवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे मुखबिर की सूचना पर सीओ मंझनपुर डा. कृष्ण गोपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पश्चिम शरीरा के कटरी गांव के समीप मुश्ताक की घेराबंदी कर ली। सीओ के मुताबिक मुश्ताक ने पुलिस पर तमंचे से कई राउंड फायर भी किया। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस दौरान मुश्ताक के दोनों पैर में गोली लगी और बचते -बचाते पुलिस कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। आरोपित को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी होने पर पुलिस के आला अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे।

अपराधियों को कतई बक्सा नहीं जाएगा : अमित कुमार राय

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। आगामी विधान परिषद चुनाव को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निर्देशन में तहसील फूलपुर के नगर पंचायत के प्रमुख चौराहों एवं कस्बा क्षेत्रों के जनता जनार्दन को निर्भीक और निडर रहने और सतर्क रहे। यदि आप फूलपुर में है तो निश्चित ही निर्भीक और निडर रहे। उक्त बातें फूलपुर कोतवाली के थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय ने पैदल गस्त फ्लैग मार्च के जरिए लोगों को सतर्कता अभियान के जरिए अपना संदेश बताया बता दें कि आगामी

विधान परिषद चुनाव को लेकर कस्बे के क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुधवार को सीआरपीएफ आर ए एफ जवान के साथ पुलिस के अधिकारियों ने पैदल फ्लैग मार्च किया । प्रभारी निरीक्षक फूलपुर अमित कुमार राय के साथ फूलपुर के कस्बा के कोतवाली चौराहे से लेकर लोचन गंज, फरीदाबाद, शेषपुर, गोमती इंटर कॉलेज पूरे महारथ, दुनिया गंज, इस्माइल गंज, जाफर गंज, कटरा, शुकलाना, पूरे अच्छई पैदल फ्लैग मार्च किया। इसी तरह प्रतापपुर, वरना बाजार , मैलहन के पूरे ग्रामीण क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। इस मौके पर कस्बा इंचार्ज विनय कुमार मिश्रा, माजिद खान, सुनील कुमार, अर्जुन सिंह यादव, इंद्रजीत यादव, महिला कांस्टेबल अल्का यादव, आदि के अलावा फूलपुर थाने के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

अक्षम विद्यालय में कक्षा 1 से 9 तक प्रवेश प्रारम्भ

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। राजकीय अक्षम विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रयास राजकीय शारीरिक रूप से अक्षम बालकों का उ0मा0विद्यालय प्रतापगढ़ भंगवाचुंगी में छात्रों का प्रवेश प्रारंभ है।शारीरिक दिव्यांग छात्रों के लिये शिक्षा सत्र 2022-23 में कक्षा 1 से 9 तक प्रवेश प्रारम्भ है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रवेशित दिव्यांग छात्रों को पठन-पाठन, यूनीफार्म, चिकित्सा एवं आवासीय सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती है। इच्छुक शारीरिक दिव्यांग छात्र की आयु 06 से 14 वर्ष के बीच होनी चाहिये। उन्होंने बताया कि विद्यालय में प्रवेश हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र (अभिभावक का) तहसीलदार/सभासद/प्रधान द्वारा जारी, आधार कार्ड की प्रति, अंकपत्र की प्रति/टी0सी0, चार पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य है।विद्यालय में प्रवेश हेतु मोबाइल 9305127300,8787078953 व 7668362695 पर सम्पर्क कर सकते है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में समस्याएं झेल रहे अधिवक्ता, बार एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश को लिखा पत्र

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव सत्यधीर सिंह जादौन ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कोरोना काल के बाद भी समस्याओं का अंबार लगा होने की तरफ ध्यान आकर्षित किया। मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल को लिखे पत्र में कहा गया है कि नये दाखिल मुकदमों की रिपोर्टिंग में अनावश्यक देरी हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय घटाकर रिपोर्टिंग दो-तीन दिन में पूरी की जाय। दाखिल मुकदमे दो से ढाई माह बाद कोर्ट में पेश किए जा रहे हैं। इसमें सुधार लाकर नियमानुसार दाखिले के तीसरे दिन कोर्ट में पेशी सुनिश्चित कराई जाय। यह भी कहा गया है कि अनलिस्टेड केस की 25 की सीमा हटाई जाय और लेफ्ट ओवर या पास ओवर केस एक हफ्ते में दोबारा सूचीबद्ध किया जाय। हालांकि पूर्व उपाध्यक्ष एसके गर्ग और राजस्व परिषद बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव विजय चंद्र श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट प्रशासन से कोरोना काल की समाप्ति पर काजलिस्ट का प्रकाशन शुरू करने की मांग मुख्य न्यायाधीश से की है। इनका कहना है कि केस लिस्ट में छपे होते हैं।

सरोजनी नायडू के किरदार में दिखेंगी बीते जमाने की सुपरस्टार अभिनेत्री शांतिप्रिया

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। देशभक्ति व बॉयोपिक फिल्में बनाने के लिए इंडस्ट्री में मशहूर संगमनगरी प्रयागराज (प्रतापपुर) निवासी पटकथा लेखक व फिल्म निर्देशक धीरज मिश्रा जिनकी अभी हाल में ही दो फिल्में हीरो ऑफ नेशन चंद्र शेखर आजाद और आलिंगन एक साथ रिलीज़ हुई।जिसे दर्शकों ने खुब सराहा।एक बार फिर भारत की पहली महिला गवर्नर महान स्वतंत्रता सेनानी सरोजनी नायडू की बॉयोपिक बनाने जा रहे है। फिल्म में सरोजनी नायडू के लिए किरदार के लिए बीते दौर की सुपरस्टार रही अभिनेता अक्षय कुमार के साथ सौगंध फ़िल्म से बॉलीबुड में डेव्यू करने वाली अभिनेत्री शांतिप्रिया को कास्ट किया गया है।इस खबर को साझा करते हुए अभिनेत्री शांति प्रिया ने अपने सोशल अकॉउंड पर लिखाठसच

कहूं, तो मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकती मेरे पास शब्द नहीं है, लेकिन मुझे एक ऐसी मजबूत और महत्वाकांक्षी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला है, जिसने इस देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं हर संभव कोशिश करूंगी,भारतीय इतिहास में उस महिला की भूमिका के साथ न्याय करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगी जिसे दुनिया गर्व से बुलाती है 'द नाइटिंगेल ऑफ इंडिया'फिल्म में सरोजनी नायडू की माँ का किरदार मशहूर अभिनेत्री जरीना वहाब निभाएंगी। आपको बता दे इस फिल्म में सरोजनी नायडू के किरदार के लिए पहले दीपिका चिखिलिया को कास्ट किया गया था अपरिहार्य कारणों से वह फिल्म नही कर रही जिसवेज स्थान पर शांतिप्रिया को फाइनल कास्ट किया गया।फ़िल्म का निर्देशन विनय चन्द्रा कर रहे वही फ़िल्म की पटकथा धीरज मिश्रा और उनकी पत्नी यशोमति ने मिलकर पूरी की है।फ़िल्म का निर्माण विशिका फिल्म्स के बैनर तले हो रहा हैं।फ़िल्म की शूटिंग मई में शुरू होगी।

अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस पर भारद्वाज गुरुकुलम संस्थान के बच्चों को खेल का महत्व के बारे में बताया : श्रीमती संयोगीता सिंह

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। भरद्वाज गुरुकुलम संस्थान रुद्रपुर में अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यालय के बच्चों को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती संयोगिता सिंह मैं बच्चों को खेल के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि दुनिया में 18 शो 96 मैं पहली बार एथेंस में आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई और आज तक इसे अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के रुप में मनाया जाता है। आज आप सभी को दुनिया के खिलाडियों से प्रेरणा लेकर आप सब को भी दुनिया में

अपने देश का नाम रोशन करना चाहिए । खेलों से आपका सुंदर स्वास्थ्य तो होता ही है मन भी मजबूत होता है संस्थान वेज प्रबंधक विनय उपाध्याय ने कहा कि खेल में स्वस्थ प्रतियोगिता और प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। स्वस्थ मन से प्रतिस्पर्धा के लिए हिस्सेदारी होनी चाहिए। हम सबको अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए आपसी बैर भाव भूल जाना चाहिए। जीत उसी की होती है जो कठिन परिश्रम और मेहनत से प्रतिस्पर्धा करता है। इस अवसर पर पुरस्कार भी प्रदान किया गया जिसमें प्रथम मोहम्मद समीर द्वितीय आर्यन गुप्ता एवं तृतीय कुमारी प्रिया प्रकाश रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

पुलिस के सराहनीय कार्य से, परिवार को मिली खुशहाली

(आधुनिक समाचार सेवा)
शुभम मोदनवाल

सैदपुर चोलापुर। प्रभारी निरीक्षक चोलापुर राजीव कुमार सिंह के अथक प्रयास ने 24 घण्टे के अंदर बेटे को बिछड़ी बूढ़ी और बीमार मां से मिलवा दिया। दरअसल तेवर

(बरैछ) निवासिनी राधिका देवी(80) अपने घर से मंगलवार की शाम निकली और रास्ता भटक गई थी। बीमार और बुजुर्ग इतनी कि वह अपना और अपने परिजनों का नाम पता नही बता सकता थी। माँ के गुमशुदा होने की जानकारी उनके बेटे ने चोलापुर पुलिस को दी। जानकारी मिलने के बाद चोलापुर पुलिस ने खोजबीन जारी कर दी। प्रभारी निरीक्षक चोलापुर देर रात से बुधवार दोपहर तक लगातार खोजबीन में लगे रहे। बुधवार दोपहर को हाजीपुर में राधिका देवी भटकती हुई मिलीं। जिसके बाद उनके बेटे राजेंद्र प्रसाद चोलापुर थाने आकर अपनी मां को अपने साथ ले गए। माँ बेटे के मिलन को देखकर सभी की आँखें भर आई।

पारदर्शी एवं स्वतंत्र रूप से मतदान सम्पन्न कराया जाय-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। केन्द्रीय सुरक्षा बलों की निगरानी में निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से मतदान कराया जायेगायह बातें जिलाधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने कैम्प कार्यालय के सभागार में एक बैठक को संबोधित करते हुए कहीं।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/सहायक निर्वाचन अधिकारी मुकेश चन्द्र द्वारा अवगत कराया कि दिनांक 08 अप्रैल को अफीम कोठी से मतदान पार्टी मतदान केन्द्रों के रवाना की जायेंगी। सभी पार्टियो द्वारा मतदान के पश्चात् अफीम कोठी में ही बैलेट बॉक्स जमा कराया जायेगा। दिनांक 09 अप्रैल को जनपद के 18 मतदान केन्द्रों पर प्रातः 8 बजे से सायंकाल 4 बजे तक मतदान सम्पनन कराया जायेगा।उन्होंने अवगत कराया कि सभी पीठासीन अधिकारियों को मतदान केन्द्र पर जाने के लिये रूटमैप उपलब्ध कराया जायेगा, मतदान पार्टी सुरक्षा बलों के साथ उसी रूट से रवाना होंगी तथा मतदान के पश्चात् उसी रूट से मतदान सामग्री एवं सुरक्षा बलों के साथ क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में मतदान सामग्री एवं बैलेट बॉक्स जमा कराया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी खण्ड विकास अधिकारी, ए0एम0ए0जिला पंचायत को निर्देशित किया गया कि मतदान पार्टी के पहुॅचने के पूर्व ही सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ की समुचित व्यवस्था बना ली जाय। सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा बल एवं पीठासीन अधिकारियों के रूकने की व्यवस्था कर ली जाये। उन्होने बताया कि मतदान केन्द्र के अन्दर कोई भी व्यक्ति मोबाइल या किसी भी तरह की इलेक्ट्रानिक डिवाइस लेकर प्रवेश नही करेगा और न ही धूम्रमान या

बीडी, सिगरेट, तम्बाकू लेकर अन्दर जाने की इजाजत होगी। सभी मतदाताओं को फोटायुक्त पहचान पत्र लेकर मतदान हेतु आना अनिवार्य है। मतदाताओं की पहचान हेतु स्थानीय कर्मचारी, अधिकारी मतदान केन्द्र के बाहर तैनात रहेंगे।जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि मतदान केन्द्र की व्यवस्था समय से सुनिश्चित कर ली जाये, सभी मतदान केन्द्रों पर सीसीटीवी लगाया जायेगा, सीसीटीवी का व्यवस्थापन इस तरह कराया जाये कि उससे पूरी मतदान प्रक्रिया आच्छादित हो जाये किन्तु किसी तरह की गोपनीयता भंग न हो। सभी केन्द्रों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था की जाये तथा वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जनरेटर की व्यवस्था कर ली जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवान तैनात किये जायेगें तथा राजपत्रित पुलिस अधिकारी भी सुरक्षा हेतु तैनात रहेंगे। सभी मतदान केन्द्रों पर सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से मतदान सुनिश्चित कराने हेतु स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं माइक्रो आब्जर्वर की तैनाती की गयी है। इसी तरह पूरी मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करायी जायेगी। मतदान हेतु हेल्पर उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया कि जिनके द्वारा किसी एक मतदाता का हेल्पर बनने के बाद वह व्यक्ति दूसरे मतदाता का हेल्पर नही बन सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को सचेत किया कि मा0 भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का शत् प्रतिशत अनुपालन करते हुये निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र मतदान सम्पनन कराया जाये, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या शिथिलता बरतने पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, ए0एम0ए0जिला पंचायत, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत उपस्थित रहे।

बलिया में प्रापर्टी डीलर की गला काट कर हत्या संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

बलिया। फेफना में एक प्रापर्टी डीलर की गला काटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। इस मामले में वारदात की जानकारी होने के

बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं दूसरी ओर वारदात की जानकारी होने के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस कुछ संदिग्?ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। फेफना थाना क्षेत्र के अगरसंडा गांव में बुधवार की देर रात बदमाशों ने प्रापटी डीलर की धारधार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी। यह खबर लगते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। एसपी राजकरन नय्यर, एएसपी विजय त्रिपाठी, सीओ सदर जगवीर सिंह व थाना प्रभारी सुनील तिवारी मौके पर पहुंचे और मामले की तफ्तीश में जुट गए, स्वजनों व आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली। फारेंसिक टीम ने नमूना लिया। स्वजनों का रोते-रोते बुरा हाल है। घटना को लेकर गांव में आक्रोश बना हुआ है। पुलिस कुछ लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। शहर से सटे अगरसंडा गांव निवासी उमेश यादव (40) प्रॉपर्टी का काम करते थे। वह एक स्कूल के बगल में खरीदी जमीन के प्लाट में अपना घर बनवा रहे थे। देर रात करीब 10 बजे निर्माणाधीन आवास से बाइक से घर लौट रहे थे। पहले से घात लाकर गेहूं के खेत में छुपे बदमाशों ने हमला कर दिया। वह जान बचाने के लिए आवास की तरफ भागे, लेकिन बीच रास्ते में गिर पड़े। बदमाशों ने वहीं पर धारधार हथियार से उनका गला काट दिया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे स्वजन उन्हें लेकर उपचार के लिए जिला अस्तपाल पहुंचे, वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शरीर पर 15 -20 जख्म के निशान हैं। घटना को लेकर हर कोई हतप्रद है। मौके पर पुलिस के जवान तैनात हैं। उमेश के दो पुत्री व एक पुत्र है। घटना के कारणों की जांच चल रही है।

शिक्षक भर्ती नहीं आने पर टेट सीटीईटी युवाओं में आक्रोश सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
शुभम मोदनवाल

सैदपुर। नई शिक्षक भर्ती के लिए युवाओं में आक्रोश का माहौल बना हुआ है प्रदेश में टेट,सीटेट पास अभ्यार्थियों की संख्या लगभग 15 लाख से ऊपर है बावजूद इसके 3 सालों में नई शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी न होने से युवाओं में आक्रोश है। युवाओं मंगलवार सैदपुर के उप-शिक्षा निदेशक सोमारू प्रधान को नई शिक्षक भर्ती के लिए ज्ञापन सौंपा। अजीत कुमार सोनकर ने बताया कि टीईटी व सीटेट किए हुए अभ्यार्थी काफी परेशान है इस सरकार में शिक्षक की नई भतिर्यां नहीं आ रही है इसी कारण बहुत सारे अभ्यार्थी बेरोजगार पड़े हुए हैं, साथ में शिवचंद्र विश्वकर्मा,अजीत कुमार

को डीएलएड/बीटीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विशु यादव के नेतृत्व में सैदपुर विधायक अंकित भारती के आवास पर जाकर अंकित भारती के पिता ओम प्रकाश भारती को व जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सोनकर,सूरज सज्जन,संदीप यादव,अभिषेक कुमार,विकास यादव,अनिल कुमार,मनोज सिंह, अजय सोनकर, अश्वनी शर्मा,बृजेश आदि छात्र मौजूद रहे।

जौनपुर में मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को लगी गोली, मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश फरार

जौनपुर। बुधवार की आधी रात बक्शा थाना क्षेत्र के सुजियामऊ गांव में बाइक सवार बदमाशों व पुलिस टीम से हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दो अन्य भागने में सफल हो गए। मुठभेड़ में घायल बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम था। साथ

ही पुलिस काफी दिनों से उसकी तलाश कर रही थी। बदमाश के पास से लूट की बाइक, मोबाइल व नकदी बरामद हुए है। पुलिस अब फरार बदमाशों के बारे में जानकारी जुटा रही है। बक्शा दिव्यप्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक मनोज सिंह, बदलापुर प्रभारी संजय वर्मा, खुटहन थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार दूबे व स्वाट प्रभारी आदेश त्यागी की संयुक्त टीम रात में हाइवे पर गस्त पर थी। उसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि तीन शातिर लुटेरे जौनपुर की तरफ से बदलापुर की तरफ जाते समय सुजियांमऊ गांव स्थित रोड से घटना करने के इरादे से जा रहे हैं। इनके पास तमंचा व चोरी की गाड़ी है। सूचना पर समस्त पुलिस टीम द्वारा सुजियाँमऊ रोड पर आ रही एक बाइक पर सवार तीन लोगों को रुकने का इशारा किया तो बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर फायर कर दिया गया। फायरिंग में स्वाट प्रभारी आदेश त्यागी के बुलेट प्रूभ जैकेट पर लगी।

प्रदेश सरकार प्रभावित लोंगो की हर संभव करेगी मदद विधायक श्री शरद कोल जंगली हाथियों के दल द्वारा की गई घटना दुर्भाग्यपूर्ण- कलेक्टर हाथियों के दल से ग्रामीणों की सुरक्षा एवं बचावं के लिए समन्वय बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्यौहारी ।शहडोल 06 अप्रैल 2022- जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर में 9 जंगली हाथियों का दल का मूवमेंट छत्तीसगढ़ जनकपुर से मसियारी वीट के ग्राम चितरांव के जंगलों में 4 अप्रैल 2022 को देखा गया था, हाथियो के दल से ग्रामीणों को सुरक्षित रहने हेतु

लगातार मुनादी एवं वाहन माइकिंग द्वारा सर्तक किया गया तथा हाथियों की दल की मूवमेंट के बारे में लोगों को समझाईश दी गई कि वे अकेले जंगलों में न जाएं और अंधेरे में जंगलों की ओर न निकले लेकिन इसके बावजूद ग्राम चितरावं के एक ही परिवार के दो व्यक्ति (पति-पत्नी) महुआ बिनने के लिए जंगल की ओर 5 अप्रैल 2022 को गए जहां हाथियों के दल का मूवमेंट था और हाथियों द्वारा कूचलने पर उनकी मृत्यु हो गई। इसी प्रकार हाथियों का दल का मूवमेंट ग्राम बांसा की ओर पहुंचा और बार-बार समझाइश के बाद भी बांसा के दो व्यक्ति (पति-पत्नी) एवं ग्राम नौगई की एक महिला जो उसी परिवार की रिश्तेदार थी, महुआ बिनने 6 अप्रैल 2022 को गए थें और तीनों की हाथियों के कुचलने से मौत हो गई। सूचना प्राप्त होने पर कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य एवं पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश कुमार गोस्वामी एवं वन मण्डलाधिकारी उत्तर वन मण्डल श्री गौरव चौधरी ने प्रभावित गांवों का भ्रमण करते हुए हाथियों के दल के मूवमेंट का जायजा लिया और हाथियों के दल के मूवमेंट की जानकारी छूदा एवं भत्तू की ओर प्राप्त होने पर ग्राम पंचायत भवन झिरिया टोला में राजस्व, पुलिस एवं वन विभाग तथा पंचायत विभाग के अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाथियों के दलों के मूवमेंट पर सतत निगरानी रखने एवं ग्रामीणों को उनसे बचाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल ने कहा कि जिले में यह घटना बहुत ही दुखद है, प्रदेश शासन द्वारा मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता करने के साथ-साथ लोंगो को हाथियों के दल से बचाने की सभी आवश्यक कार्यवाही जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, वन विभाग एवं पंचायत विभाग के साथ-साथ ग्रामीण जनों के सहयोग से सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जंगली हाथियों के दल द्वारा की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए पुलिस, वन, पंचायत विभाग के अधिकारी मिलकर लोंगों को उनसे बचने के लिए सतर्क करे साथ ही हाथियों के दलों के मूवमेंट को रोकने के लिए पटाखा आदि फोड़े एवं मशाल आदि भी जलाएं। कलेक्टर ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर ग्राम पंचायत बांसा एवं ग्राम पंचायत झिरिया टोला में हाथी के मूवमेंट के पास के ग्रामों में रहने वाले लोंगो को ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने हाथियों के दल के कुचलने से हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को वन विभाग के द्वारा हर्जाना स्वरूप 4-4 लाख रूपये तत्काल दिलवाया साथ ही जनजातिय कार्य विभाग द्वारा संकटापन मद से 10-10 हजार रूपये सभी मृतको के परिजनों को भी मुहैया कराया और उन्होंने कहा कि मृतको के परिजनों को शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी पात्रतानुसार दिया जाएगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश कुमार गोस्वामी ने कहा कि हाथियों के दल मूवमेंट के नियंत्रण एवं ग्रामीणों के बचावं के लिए सतत निगरानी करने के लिए एसडीओपी, एसडीओ फॉरेस्ट, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत 4 दल गठित कर हाथियों के मूवमेंट के रोकथाम एवं ग्रामीणों को बचाने हेतु सभी आवश्यक कार्यवाहियां सुनिश्चित करें। बैठक में वन मण्डलाधिकारी अनूपपुर श्री अब्दुल अंसारी, अपर कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशू चंद्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश वैश्य, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री दिलीप पाण्डेय, एसडीओपी ब्यौहारी श्री भविष्य भास्कर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री हरीश चंद्र द्विवेदी सहित राजस्व, पुलिस, वन, पंचायत विभाग के अधिकारियों के साथ ग्रामीण जन उपस्थित थें।

भाजपा भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और विकासोन्मुखी राजनीति की पर्याय बनी : डा. आर.ए.वर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)

सुलतानपुर। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को अपना 42 वां स्थापना दिवस जिला मुख्यालय 26 मण्डल केन्द्रों एवं 2172 बूथों पर

ध्वजारोहण,शोभायात्रा एव विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर समारोहपूर्वक मनाया।इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों में पार्टी का झंडा लगाया। वही पयागीपुर स्थित जिला कार्यालय पर प्रातः9 बजे पार्टी का नया ध्वज जिलाध्यक्ष डा.आर.ए.वर्मा ने पार्टी पदाधिकारियों,वरिष्ठ नेताओं व जनप्रतिनिधियों की उपस्थित में फहराया।तत्पश्चात शोभायात्रा निकली और 10 बजे से जिला,नगर, मण्डल व बूथों पर एलईडी, टीवी,नमो एप एव अन्य इंटरनेट के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाइव संबोधन सुना गया।भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए.वर्मा की अगुआई व नगर अध्यक्ष आकाश जायसवाल के संयोजन में भाजपाइयों ने नगर में स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर नमन किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी के जिला कार्यालय पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए.वर्मा ने भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्त्ताओं , पदाधिकारियों व शुभचिंतकों को पार्टी के 42 वें स्थापना दिवस की बधाई दी।उन्होंने कहा कि पार्टी के गौरवशाली यात्रा के आज 42 वर्ष पूरे हो रहे है।कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से भाजपा को न सिर्फ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का गौरव प्राप्त हुआ बल्कि यह भारतीय संस्कृति,राष्ट्रवाद और विकासोन्मुखी राजनीति का पर्याय बन चुकी है। उन्होंने कहा भाजपा नेतृत्व देश को परम वैभव पर पहुंचाने व विश्व गुरु बनाने के सपने को साकार करने में लगा हुआ है। उन्होंने आए हुए सभी लोगों का आभार प्रकट किया। पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ सीताशरण त्रिपाठी एवं जगजीत सिंह छंगू ने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी की संघषी भरी यात्रा का विस्तार से वर्णन किया।गोष्ठी को लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा व कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने भी संबोधित किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी।उन्होंने कहा 6 अप्रैल 1980 में भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद पहला अधिवेशन दिसंबर 1980 में मुंबई में हुआ था। इस अधिवेशन में भाजपा के पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि अंधेरा छटेगा,सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा।' 42 साल पहले की गई अटल जी की ये भविष्यवाणी आज सच साबित हुई है।गोष्ठी का संचालन कार्यक्रम के संयोजक महामंत्री विजय त्रिपाठी ने किया।भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि आज पार्टी का स्थापना दिवस सभी 26 मंडल केंद्रों. 2172 बूथों पर विभिनन कार्यक्रमों को आयोजित कर समारोहपूर्वक मनाया गया।आज से ही पार्टी के माइक्रो डोनेशन कार्यक्रम की भी शुरुआत हुई। जिला कार्यालय पर उपस्थित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पार्टी फंड में 5 से लेकर 1000 रूपये तक ऑनलाइन दान किया।कार्यक्रम में पूर्व विधायक अर्जुन सिंह,पूर्व जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण सिंह, सुमन सिंह,सांसद प्रतिनिधि रणजीत कुमार,विजय सिंह रघुवंशी,जिला उपाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश जायसवाल, आनन्द प्रकाश द्विवेदी, आलोक आर्या, सुनील वर्मा, जिला महामंत्री घनश्याम चौहान,धर्मेन्द्र कुमार, कृपाशंकर मिश्रा,राजेश पाण्डे, विवेक सिंह, मनोज मौर्या, अरुण द्विवेदी, बॉबी सिंह ,कंचन कोरी, मीडिया विभाग के जिला सह संयोजक जेपी सिंह आदि मौजूद रहे।

हन्डौर पेयजल टंकी हुई ठेकेदार के भरोसे,नहीं मिल रहा है ग्रामीणों को पानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।लालगंज तहसील के हन्डौर गाँव में प्रतापगढ- लखनऊ मार्ग पर ठीक सड़क के बगल पेयजल टंकी स्थित है जहाँ ठेकेदार की मनमानी के कारण इस भीषण गर्मी में लोग दो बूँद पानी के लिए तरस रहे है।बता दें कि पेयजल टंकी पर नियुक्त ऑपरेटर मार्च में सेवानिवृत्त हो गया। उसने न तो ग्राम प्रधान को बताया न ही उच्च अधिकारियों को अपना चार्ज सौंपा।वह एक ठेकेदार को अपना कार्यभार सौंप कर यहाँ से प्रस्थान कर गया। लिहाजा जिस ठेकेदार के जिम्मे इस समय यह पेयजल टंकी है,वह यहाँ कभी आता नहीं है जिससे यहाँ कक्ष में हमेशा ताला लटकता मिलता है। इस पेयजल टंकी की कोई सुधि लेने वाला नहीं है। प्रधान ने ठेकेदार से बात करने की कोशिश की लेकिन उससे संपर्क नहीं हो पाया।संबंधित जे0ई0का भी न तो दूर हस्तवाणी पर संपर्क हो रहा है न ही वह यहाँ आने की कभी जहमत उठाता है।इस भीषण

गर्मी में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार की गलती से पाइपें भी पूरी तरह से सही ढंग से नहीं बिछाई गई हैं।जहाँ पाइपें बिछाई गई है,वे भी बीच-बीच में कटी है जिससे पानी का तेज बहाव होता रहता है जिससे आगे की आपूर्ति बाधित होती है।कुछ मोहल्लों में 1 साल पहले पाइपें बिछा दी गई पर ठेकेदार ने बीच में पाइप ही नहीं बिछाया है।जिन जगहों पर उसने पाई बिछवाई है वहाँ मिट्टी भी नहीं भरवाया जिससे चकरोडों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं।ऐसे ठेकेदार के विरुद्ध ग्रामीणों ने तत्काल कार्यवाही करने की माँग की है।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कर तत्काल इस पेयजल टंकी से ग्रामीणों को जलापूर्ति करवाने की गुहार की है।

सौरभ सिंह पंकज को पुनः प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाए जाने पर डाला नगर के युवाओं में हर्षोउल्लास

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला(सोनभद्र)। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठनअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 61वा प्रांत अधिवेशन केपी कम्युनिटी हॉल प्रयाग राज में आयोजित किया गया था । जिसमें काशी प्रांत के 16 जिलों से लगभग 600 नए प्रतिनिधियों ने भागीदारी की एक दिवसीय प्रांत अधिवेशन के उद्घाटन सत्र के विशेष अतिथि के रूप में लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ हरेश प्रताप सिंह व कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में प्रोफ़ेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे । जिसमें प्रांत की नई कार्यकारिणी में सोनभद्र जिले से संगठन के प्रति समर्पण और निष्ठा को देखते हुए सौरभ सिंह पंकज को पुनः प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाए जाने पर डाला नगर के युवाओं में दिखा उत्साह वहीं युवा साथियों द्वारा प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में आज चूड़ी गली मोड़ पर जोरदार स्वागत के साथ मिष्ठान वितरण किया गया इस दौरान सौरभ सिंह पंकज जी

ने कहा कि शिक्षा जीवन की शैली है और हम हर वर्ग तक समाज को पूर्ण रूप से शिक्षा के लिए जागरूक करते रहेंगे इस मौके पर आशीष अग्रहरी अग्रहरि अमन अग्रहरि कुमार मंगलम तिवारी अक्षय राकेश पासवान कुश देव पांडे हिमांशु गोपाल महादेव करण राहुल धरमू हरिशंकर लव देव पांडे शिवम बरनवाल दीपक आदित्य तिवारी अक्षय खरवार आदि लोग मौजूद रहे।

बलिया के गिरफ्तार पत्रकारों को बिना शर्त रिहा करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

ओबरा (सोनभद्र)। बलिया में पेपर लीक मामले में पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की घटना से सोनभद्र जनपद के ओबरा में भी पत्रकारों में भी काफी आक्रोश है। पत्रकारों की रिहाई और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जिले के पत्रकार लामबंद हैं।ओबरा स्थित तहसील पर पत्रकारों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक उपजिलाधिकारी को सौंपकर पत्रकारों की जल्द रिहाई और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पत्रकारों ने बलिया प्रशासन के विरोध में जमकर नारे लगाए। पत्रकार संगठन की ओर से मुख्यमंत्री के नाम सात सूत्रीय पत्रक उपजिलाधिकारी जैनेन्द्र सिंह को सौंपा गया। जिसमें मांग की गई कि बलिया के निदीष पत्रकार अजीत ओझा, दिग्विजय सिंह और मनोज गुप्ता को तत्काल रिहा किया जाए और उन पर दर्ज मुकदमा तत्काल

वापस लिया जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो। पत्रकारों ने कहा कि पेपर आउट मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि आगे कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने की हिम्मत न जुटा सके। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए अविलंब जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए।इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश भाटिया व भोला दूबे ने कहा कि सच उजागर करने पर बलिया में पत्रकारों को जेल में बंद किया जाना अत्यंत निंदनीय है।वरिष्ठ पत्रकार संजय यादव व प्रेम राय ने कहा कि पत्रकारों को तत्काल रिहा करने के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंह व राकेश अग्रहरि ने कहा कि पत्रकारों को घुटने पर लाने की बलिया प्रशासन की मंशा किसी भी कीमत पर कामयाब नहीं होगी।वरिष्ठ पत्रकार मनमोहन शुक्ला व अभिषेक पांडेय ने पत्रकारों पर कार्रवाई को अनुचित ठहराया और तत्काल उनकी रिहाई की मांग की।भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ जिलाध्यक्ष महेश पांडेय व हरिओम विश्वकर्मा ने कहा कि सोनभद्र जिले के पत्रकार बलिया के पत्रकारों के न्याय की लड़ाई लड़ते रहेंगे। पत्रकार डरने व डिगने वाले नहीं है। अपनी नाकामी छुपाने के लिए बलिया प्रशासन ने बेकसूर पत्रकारों को निशाना बनाया है। पत्रकारों को जेल भेजना लोकतंत्र की भावना से खिलवाड़ है। इस तरह की कार्रवाई को पत्रकार बर्दाश्त नहीं करेंगे। बलिया जिला प्रशासन द्वारा साजिश के तहत व्हाट्सएप पर प्रशन्पत्र मंगवाकर मुकदमा कायम करना सरासर गलत है। इस मौके पर पत्रकार अरविंद कुशवाहा,नीरज भाटिया,मुस्ताक अहमद,वीरू गोयल,राजू चौधरी आदि मौजूद रहे।

420 के तहत कोटा प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी पर मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला(सोनभद्र)। अपर जिला पंचायत राज अधिकारी के पत्र पर ग्राम प्रधान कोटा व ग्राम पंचायत अधिकारी के विरूद्ध चोपन थाने में बुधवार की देर साम 420 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया।जिसके सम्बंध में बताया गया कि चोपन विकास खण्ड के अन्तर्गत स्थित ग्राम पंचायत कोटा के प्राथमिक विद्यालय सलईबनवा में बाऊडीवाल,फर्स्ट की मरम्मत व रंगाई-पुताई कार्य में लगे मजदूरो के मजदूरी का सम्पूर्ण भूगतान 1,22,369 रूपये श्रमिको के खाते में न करके एक व्यक्ति के खाता संख्या 22008388717 के खाते में कर दिया गया।जिस मामले को गंभीरता से लेते हुए चोपन थाने में ग्राम पंचायत कोटा के प्रधान प्रह्लाद व ग्राम पंचायत अधिकारी अमरेश चन्द्र के विरूद्ध धारा 420 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

तेंदू पत्ता के अच्छे आवक का मिल रहा संकेत

दुद्धी (सोनभद्र) । तेज धूप एवं गर्म हवा भले ही रहवासियों को झुलसा रही हो, किंतु यह मौसम तेंदू पत्ता के लिए काफी मुफीद माना जा रहा है। बीते कई वर्षों से मौसम के बेवफाई से प्रदेश की सबसे अधिक तेंदू पत्ता देने वाले वन निगम काफी घाटे में चल रहा है। इससे जुड़े व्यवसायियों की हालत भी बदतर होती जा रही है। इससे जुड़े उद्योग भी दिन ब दिन सिमटते जा रहे है। आलम यह है कि निगम भी बेदम होती चली जा रही है। प्रदेश का सर्वाधिक वन संपदाओं का केंद्र माने जाने वाले दुद्धी तहसील क्षेत्रों के जंगलों से हरा सोना के रूप में तेंदू पत्ते की तुड़ान आगामी 15 अप्रैल से शुरू करने की कवायद शुरू हो गई है। डीएलएम सतीश चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक 15 अप्रैल से रेणुकूट व ओबरा वन प्रभाग में तेंदू पत्ता का तोड़ान शुरू हो जाएगा। बीते वर्ष के 40 हजार 150 मजदूर की तुलना में अबकी यदि मौसम इसी तरह साथ दिया तो इसमें और अधिक मजदूर लगाने की रणनीति बनाई गई है। बीते वर्ष की तुलना में अबकी सीजन के लिए मजदूरी भी बढ़ाई गई है। पिछले वर्ष एक हजार के तेंदू पत्ता के गड्डी 1340 रुपये की खरीदारी हुई थी, जबकि अबकी इसका रेट 15 सौ प्रति हजार कर दिया गया है, जिससे लोगों का तोड़ान के प्रति रुझान बढ़ाया जा सके।

जंगल में लगी आग से कीमती पौधे व फसल जलकर राख

मीरजापुर । जनपद में अगलगी की घटनाएं थम नहीं रही है। प्रतिदिन अगलगी की घटनाओं में जंगल तो खेतों से लपटें उठ रही है। बुधवार को भी लालगंज, मड़िहान में अगलगी से लाखों की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। मौके पर पहुंचे वन विभाग संग ग्रामीणों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन हलिया के सोनगढ़ा जंगल में तीसरे दिन भी आग बेकाबू रही। पटेहरा मड़िहान क्षेत्र के अमोई पुरवा के कचरिया में सिरसी रेंज के जंगल में आग लग गई। हवा से आग इस कदर फैली कि किसानों के खेतों तक पहुंच गई और फसल जलने लगी। ग्रामीणों ने किसी प्रकार निजी पंप चलाकर आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक चार बीघे का फसल चना, सरसों एवं गेहूं राख हो गई। पीड़ित किसान पार्वती, रामअवध और नंदलाल ने रोते हुए बताया कि पप्पू सिंह का खेत बटाई

पर लिए थे, फसल अच्छी थी। इसी के सहारे जीवनयापन था लेकिन सब राख हो गया। राजस्व निरीक्षक प्रमोद यादव ने बताया कि बटाई का लिखित प्रमाण देने पर किसानों को फसल की क्षतिपूर्ति दिलाई जाएगी। शार्ट सर्किट से लगी आग लालगंज : क्षेत्र के बसही गांव निवासी राजनारायण के बेटे महेश अपने ट्रैक्टर से बल्हिया खुर्द निवासी किसान की फसल खलिहान में ले जा रहे थे। सड़क से गुजरते समय ट्रैक्टर के ट्राली पर लदे गेहूं की डाठ से विद्युत तार में हुई शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे गेहूं की फसल धू-धू कर जलने लगी। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को एक एजेंसी के सामने रोककर खड़ा कराया। एजेंसी संचालक रमाशंकर पटेल जेनरेटर चलाकर ट्यूब पंप चालू कर दिया। राहगीरों की सहायता से आग को बुझाया गया लेकिन तब तक ट्राली और फसल खाक हो गई। हलिया : ड्रमंडगंज वन रेंज के कैमूर वन क्षेत्र के सोनगढ़ा जंगल में लगी आग को वन विभाग की टीम बुझाने का प्रयास कर रही है लेकिन तीसरे दिन भी नहीं बुझा पाए। कैमूर पहाड़ के मध्य धधकती आग कोढ़वा घाट तक पांच किमी में फैल गई है। वन क्षेत्र की ऊंची पहाड़ियों पर दमकल की गाड़ियां भी नहीं पहुंच पाएगी, ऐसी स्थिति में वन विभाग की टीम पेड़ पत्तों की सफाई कर लाइन बना रही है कि आग आगे बढ़ने से रोका जाए। हवा के झोंके से आग तेजी से आगे बढ़ रही है। जंगली जानवर सियार, हिरण, नीलगाय लोमड़ी तेंदुआ भालू, मोर, बारहसिंघा के बच्चे सहित अन्य जीव जंतुओं के जीवन पर संकट मंडरा रहा है। मध्यप्रदेश के लोडी से सोमवार को पहुंची आग सोनगढ़ा कंपार्टमेंट नंबर सात व आठ कैमूर पहाड़ पर धधकने लगी। यह आग निरंतर कई इलाकों में अपनी चपेट में ले रही है।

भाजपा का 42वां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला(सोनभद्र)। स्थानीय डाला नगर में भाजपा का 42वां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया आज बुधवार

सुबह नौ बजे डाला चढ़ाई पेट्रोल पंप के बगल में स्थित भाजपा सभागार में डाला मंडल अध्यक्ष दीपक दुबे के नेतृत्व में भाजपा के 42वां स्थापना दिवस पर ध्वजारोहण कर नगर में पद यात्रा निकाली गई और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को एलईडी टीवी के माध्यम से सुना गया मंडल अध्यक्ष श्री दुबे ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य शुरू से ही आरएसएस के साथ मिलकर समाज हित का कार्य करना रहा है आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश जहां तेजी से विकास के तरफ बढ़ है वहीं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे है इस दौरान मंडल महामंत्री संदीप सिंह,मंडल उपाध्यक्ष मनीष तिवारी,श्याम नारायण, अमरेश उपाध्याय, सदन साहू ,रमाशंकर ,प्रदीप पांडेय, बबलू दुबे, विमल, हिमांशु कुमार ,राजेश पटेल ,सोनू, राजू शुक्ला, रोहित गोस्वामी ,राजेश चौधरी आदि भाजपा कार्यकर्ताओं सामिल रहे।

स्कूलों में फिर चला मिशन शक्ति का अभियांन राजकीय डिग्री कालेज में छात्रों को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं /बेटियों को स्वावलम्बी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बन्ध में जागरुक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/ आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एक समग्र अभियान "मिशन शक्ति अभियान के तहत आज दिनांक 06.04.2022 को प्रभारी निरीक्षक रायपुर प्रणय प्रसून श्रीवास्तव द्वारा थाना क्षेत्र के पावनी कला राजकीय डिग्री कॉलेज में जाकर छात्र/छात्राओं से संवाद कर वर्तमान समय मे हो रहे विभिन्न तरीकों के साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर उन्हें जागरुक किया गया । साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/ 112 पर दें जिससें समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके ।

शिवा एकेडमी सुकृत विद्यालय पर 12 वर्ष से 14 वर्ष तक के स्कूली बच्चों को लगाये गए कोविड - 19 के टीके

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र । के करमा ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा सुकृत में स्थित विद्यालय शिवा एकेडमी, सुकृत सोनभद्र में आज दिनांक 05 अप्रैल 2022 को स्कूल के 12 वर्ष से 14 वर्ष तक के स्कूली बच्चों तथा नागरिकों को कोविड-19 के टीके लगाये गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य गौतम विश्वकर्मा ने छात्र एवं छात्राओं को जानकारी देते हुए कहा कि डरना नहीं है। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए कोविड-19 के टीके की दोनों खुराक लगवाना बहुत जरूरी है तभी इस विश्व व्यापी कोरोना महामारी के संक्रमण से बचा जा सकता है। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम में एनम रेनू देवी, शिवा एकेडमी विद्यालय के प्रबंधक भूपेन्द्र कुमार पाठक, प्रधानाचार्य गौतम विश्वकर्मा, सहायक अध्यापक, अभिषेक कुमार मौर्य, अरुण कुमार गुप्ता, अनिल कुमार, दीपक कुमार, सहायक अध्यापिका कृति पाठक, सावित्री तथा ग्रामीण मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एल्डर हेल्पलाइन टोल फ्री 14567 सेवा शुरू

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र ।के एल्डर हेल्पलाइन 14567 के फील्ड रिस्पांस अधिकारी अभिषेक पाठक ने जानकारी देते

हुए बताया कि नेशनल हेल्पलाइन भारत सरकार द्वारा निकाली गई है जिसमें बुजुर्गों के लिए कानूनी मसला, राशन का और उनकी पेंशन, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, स्वास्थ्य संबंधित कानूनी मसला, घर, घरेलू हिंसा, परिजनों की किसी भी प्रकार की समस्या को निवारण करने हेतु भारत सरकार द्वारा एल्डर हेल्पलाइन टोल फ्री- 14567 सेवा निकाली गई है जो सुचारू रूप से चालू है बुजुर्गों को जागरूक करने के लिए अभियान भी जगह-जगह पर चलाए जा रहे हैं और बुजुर्गों को इससे लाभ भी मिल रहा है। इसका 14567 हेल्पलाइन पर कंप्लेंन दर्ज करवाने के बाद 72 घंटे के अंदर वरिष्ठ अधिकारी जो जिले में तैनाती है। वह बुजुर्गों की समस्या का समाधान करते हैं और सहायता प्रदान करते हैं।

पत्रकार उत्पीड़न को लेकर सौंपा ज्ञापन।

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश यूपी बोर्ड परीक्षा पेपर लीक मामले में बलिया के वरिष्ठ पत्रकार अजीत ओझा, दिग्विजय सिंह ,एवं मनोज गुप्ता को प्रशासन द्वारा फर्जी मुकदमे में जेल भेजने का मामला को लेकर और जान चल के पत्रकारों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे समस्या को निष्पक्ष जांच कराने एवं दोषी डीएम-एसपी को सस्पेंड करने की मांग किया गया । अनपरा कोतवाली प्रभारी श्रीकांत राय को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाने में पत्रकारों ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में एक और जहां आम जनता में निभय और सुकून का माहौल है तो वहीं दूसरी तरफ बलिया जिला प्रशासन अपनी कमी छुपाने के लिए कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को निशाना बनाकर उत्पीड़न किया जा रहा है। जो कि अच्छी बात नहीं है। शिक्षा माफियाओं की पोल खोलने के लिए पेपर में खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करने के बाद बलिया डीएम एवं एसपी ने पूरे मामले को उजागर करने वाले पत्रकारों को ही निशाना बनाकर फर्जी मुकदमे में जेल भेज दिया । जिससे पत्रकारों में काफी रोष है।। इस मौके पर अखिलेश भटनागर ,दीपक सिंह ,अशोक तिवारी ,अखिलेश चौबे, आर.पी सिंह, निक्कू शर्मा अश्विनी ठाकुर ,विजय पांडे ,दरोगा देव यादव, मुकेश कुमार ,नौसाद ,अशोक गोयल , राम बहादुर सिंह उपस्थित रहे

पुलिस पर हमला करने वाली महिलाओं को भेजा जेल

मड़िहान (मीरजापुर) । क्षेत्र के भागलपुर गांव में मंगलवार की शाम पुलिस व बुलंदशहर से आए लोगों पर हमला करने के मामले में मड़िहान पुलिस ने बुधवार को पांच महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद जेल भेज दिया। हालांकि इन महिलाओं के खिलाफ धोखाधड़ी व मारपीट करने की धाराओं में भी मुकदमा दर्ज किया है। बुलंदशहर जनपद के जगतपुर अगोता गांव निवासी पिटू पुत्र अतर सिंह अपने चचेरे भाई प्रमोद की शादी के लिए भागलपुर गांव आया था। यहां आरोपित महिला पुष्पा देवी, महिमा, संगीता, ज्योति निशा एव प्रियंका ने वर पक्ष के लोगों पर डंडे से हमला कर दिया। आरोप है कि पुष्पा देवी ने फोन करके पहले तो नदिहार में बुलाया और पैसे ले लिए। इसके बाद शादी करने की बात से मुकरने लगी। कहा कि 25 हजार रुपये और देने पर ही शादी होगी। इस पर जब वर पक्ष ने विरोध करना चाहा तो महिलाएं उग्र होकर डंडा निकाल कर पिटाई शुरू कर दी। इसकी सूचना तत्काल उसने डायल 112 नंबर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पीआरवी तो महिलाओं का उग्र रूप देख वापस लौट गई। इसके बाद राजगढ़ पुलिस पहुंची तो महिलाओं को कंट्रोल नहीं कर पाई तो मड़िहान थाने से पहुंची आधा दर्जन महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओं को गिरफ्तार कर थाने ले आई।

उत्साह, उमंग और सम्मान के साथ मना स्थापना दिवस

मीरजापुर । भारतीय जनता पार्टी का 42वां स्थापना दिवस बुधवार को उत्साह, उमंग और सम्मान के साथ मनाया गया। स्थापना दिवस पर कार्यकर्ता से लेकर पदाधिकारी एक मंच पर दिखे, जो एकजुटता का संदेश दे रहे थे। भगवाधारी कार्यकर्ताओं की भीड़ से माहौल भी भगवामय दिखा। पार्टी के झंडा के साथ शोभायात्रा निकाली गई। माइक्रो डोनेशन अभियान के अंतर्गत नमो एप के माध्यम से डोनेशन अभियान का शुभारंभ किया गया। बरौधा कचार स्थित जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद अनगढ़ रोड़ से डीजे व बैंड-बाजा के साथ शोभायात्रा निकली। कार्यकर्ता पार्टी की झंडा के साथ नारा लगाते चल रहे थे। शोभायात्रा रोडवेज चौराहा होकर भाजपा जिला कार्यालय पर पहुंचकर समाप्त हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने एलईडी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन भी सुना। इसके बाद माइक्रो डोनेशन अभियान के अंतर्गत नमो एप के

माध्यम से भाजपा को मजबूत करने के लिए डोनेशन अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान नगर विधायक रतनकर मिश्र, मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कननैजिया, नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल आदि थे। चुनार : भाजपा का 42वां स्थापना दिवस कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क कार्यालय पर मनाया। नगर अध्यक्ष चंद्रहास गुप्ता व विधायक प्रतिनिधि आलोक सिंह ने संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित की। वक्ताओं ने भाजपा के इतिहास पर चर्चा की।इसके बाद बाइक यात्रा निकाली गई, जो नगर के विभिनन मार्गों से होकर गुहराज निषाद पार्क पर जाकर समाप्त हुई। अहरौरा : भाजपा का 42वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंडल अध्यक्ष महेंद्र अग्रहरि ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सत्यानगंज स्थित मंडल कार्यालय पर पार्टी का ध्वजारोहण किया गया। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़े के साथ जुलूस निकाला। वंदे मातरम गायन के बाद कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्चुअल उद्बोधन सुना। लगभग तीन सप्ताह चलने वाले माइक्रो डोनेशन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यकर्ताओं ने नमो एप के माध्यम से हजारों रुपये फंड में दिए। जमालपुर : बाजार स्थित भाजपा कार्यालय पर पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। भाजपा मंडल प्रभारी जितेंद्र बहादुर सिंह ने पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। बाजार में झंडा लेकर शोभायात्रा निकाली। हलिया : बाजार स्थित भाजपा कार्यालय पर पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। मंडल अध्यक्ष पंकज सिंह चंदेल व एससी एसटी आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मनीराम कोल ने पं. दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी का झंडा लेकर शोभायात्रा निकाली।

डेविड वार्नर ने बताया, कप्तान रिषभ पंत से खेलना सीखना चाहता हूं वन हैंड शाट

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर आइपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले वो हैदराबाद के लिए खेलते थे हालांकि साल 2009 में आइपीएल में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत दिल्ली की टीम के साथ ही की थी। इस सीजन में वो रिषभ पंत की कप्तानी में दिल्ली के लिए खेलते हुए नजर आएंगे और उन्होंने बताया कि वो पंत की कप्तानी में खेलने के लिए उत्सुक थे और वो सीखना चाहते हैं कि दिल्ली के कप्तान एक हाथ से शाट कैसे खेलते हैं। डेविड वार्नर ने कहा कि मैं रिषभ पंत से एक हाथ के शाट खेलने की कला सीखना चाहता हूं। वो एक युवा खिलाड़ी हैं और कप्तानी के गुर सीख रहे हैं साथ ही वो भारतीय टीम का अभिनन हिस्सा रहे हैं। मैं काफी उत्साहित हूं और मध्यक्रम में उनसे साथ बल्लेबाजी करने को लेकर मैं और इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से अपनी पुरानी टीम में वापस आकर काफी अच्छा लग रहा है जिसमें कुछ पुराने चेहरे हैं तो वहीं कुछ नए चेहरे भी टीम में शामिल हैं। वार्नर पिछले सीजन तक हैदराबाद के साथ जुड़े हुए थे, लेकिन इस सीजन में दिल्ली ने उन्हें 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। विश्व कप विजेता खिलाड़ी को डीसी ने आइपीएल मेगा नीलामी में 6.25 करोड़ में खरीदा था। आइपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवें खिलाड़ी वार्नर ने कहा कि वह डीसी के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम करने को लेकर भी उत्सुक हैं। रिकी को डीसी के साथ काफी सफलता मिली है। वह आस्ट्रेलिया के लिए एक महान लीडर रह चुके हैं और अब एक कोच के रूप में उनका बहुत सम्मान है। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। 2022 में, डीसी ने मिश्रित शुरुआत की है जहां उन्होंने अपने दो मैचों में से एक जीता है।

शोएब अख्तर ने बताया, 'गांगुली ने मुझसे कहा सचिन को क्यों आउट किया ये लोग तुम्हें मार देंगे'

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर और शोएब अख्तर की मैदान पर प्रतिद्वंदिता जग जाहिर है। शोएब अख्तर ने अपने क्रिकेट करियर के दौरान सचिन तेंदुलकर को कुल 9 बार आउट किया था, लेकिन इनमें से एक बार सचिन को आउट करना अख्तर के लिए क्यों सबसे बड़ी मिस्टेक क्यों थी इसके बारे में उन्होंने खुद बताया। शोएब ने सचिन को टेस्ट क्रिकेट में तीन बार जबकि वनडे में पांच बार आउट किया था तो वहीं उन्होंने आइपीएल के पहले सीजन यानी साल 2008 में उन्होंने सचिन का विकेट लिया था। शोएब अख्तर ने बताया कि साल 2008 में वो केकेआर टीम का हिस्सा थे और इस टीम का मुकाबला मुंबई इंडियंस के साथ वानखेड़े स्टेडियम में था। मुंबई के कप्तान सचिन तेंदुलकर थे जबकि केकेआर टीम की कप्तानी सौरव गांगुली कर रहे थे। इस मैच में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी की थी और ये टीम 67 रन पर आलआउट हो गई थी। मुंबई ने इस मैच में केकेआर को 8 विकेट से हरा दिया था और आसान जीत दर्ज की थी, लेकिन इस मैच में सचिन तेंदुलकर शून्य पर आउट हुए थे। अख्तर के मुताबिक हमारी टीम केकेआर ने काफी कम स्कोर बनाए थे। जब मैच शुरू हुआ तो मैदान का वातावरण गजब का था और ये सचिन तेंदुलकर का शहर था। इस मैच के दौरान शाहरुख खान भी मैदान पर ही थे। स्टेडियम पूरी तरह से दर्शकों से भरा हुआ था और मैच से पहले सचिन और मेरी आपस में बात हुई और हमने एक-दूसरे को अच्छे प्रदर्शन के लिए ग्रीड किया। अख्तर ने ये बातें स्टोर्सकीड़ा के साथ करते हुए कही। उन्होंने आगे बताया कि मैंने इस मैच में सचिन तेंदुलकर को दूसरी पारी की पहले ही ओवर में शून्य पर आउट कर दिया था और ये मेरी सबसे बड़ी गलती थी। मैं फाइन लेग पर फील्डिंग कर रहा था और मुझे गालियां दी जा रही थी। इसके बाद कप्तान गांगुली ने कहा कि तुम मिड विकेट पर फील्डिंग करो नहीं तो ये लोग तुम्हें मार देंगे। तुम्हें किसने कहा था कि सचिन को आउट करो ये मुंबई है। वहीं अख्तर ने कहा कि मैच खत्म होने के बाद मुंबई के किसी व्यक्ति ने मुझे कुछ नहीं कहा था। इसके बाद शोएब वानखेड़े स्टेडियम पर कोई मैच नहीं खेल पाए।

लखनऊ का कौन सा मजबूत पक्ष दिल्ली को कर सकता है परेशान, सहायक कोच वाटसन ने किया खुलासा

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 के 15वें लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ होगा। इस मुकाबले से पहले दिल्ली टीम के सहायक कोच शेन वाटसन ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के एक ऐसे मजबूत पक्ष का जिक्र किया जिससे दिल्ली कैपिटल्स टीम को खासी परेशानी हो सकती है। इसमें कोई शक नहीं है कि लखनऊ टीम के पास आलराउंडर खिलाडियों की कोई कमी नहीं है जिससे उनके पास ज्यादा विकल्प होते हैं। इस टीम ने अपने आखिरी लीग मैच में प्लेइंग इलेवन में जेसन होल्डर को शामिल किया था जिसके बाद इनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों ही और ज्यादा मजबूत हो गई थी। पिछले मैच में लखनऊ की टीम में जेसन होल्डर, क्रुणाल पांड्या और दीपक हुडा के तौर पर तीन आलराउंडर थे जिसने दिल्ली के खिलाफ भी खेलने की संभावना है तो वहीं दिल्ली की टीम में आलराउंडर की बात करें तो अनुभवी आलराउंडर के तौर पर इस टीम के पास अक्षर पटेल व शार्दुल ठाकुर हैं तो वहीं अगर ललित शर्मा सफल हो जाते हैं तो इस टीम के लिए ये काफी अच्छा होगा। दिल्ली के पास भी आलराउंडर हैं, लेकिन इसके बावजूद एलएसजी का ये पक्ष विरोधी टीम के लिए बड़ा खतरा हो सकता है और इस बात को वाटसन भी मानते हैं। वाटसन ने हिन्दुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा कि आलराउंडर का टीम में होना कप्तान के लिए बहुत बड़ा फायदा होता है और इससे कई विकल्प उनके पास होते हैं। अगर कोई मुख्य गेंदबाज उस खास दिन में कुछ अच्छा नहीं कर रहा तो आपके पास विकल्प होता है और आप उसकी भरपाई कर सकते हैं। क्रुणाल पांड्या ने अच्छी गेंदबाजी की है तो वहीं दीपक भी काफी अच्छे रहे हैं। जेसन होल्डर के आने से टीम और मजबूत दिख रही है। इसमें कोई शक नहीं कि आलराउंडर गेंदबाजी विकल्प की भी भूमिका निभाते हैं। वाटसन ने ये भी कहा कि ये राहुल एंड कंपनी के लिए उल्टा भी पड़ सकता है, लेकिन साथ ही आपके पास बहुत अधिक गेंदबाजी विकल्प भी नहीं हो सकते। ये काफी मुश्किल हो जाता है कि आप एक साथ सबको कैसे टीम में ले लेंगे।

लखनऊ के खिलाफ मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी और गेंदबाजी होगी और स्ट्रॉन्ग

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने पहले मैच में मुंबई को हरा सीजन की अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसे गुजरात के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। डीवाई पाटिल स्टेडियम में दिल्ली की टीम जब अपने तीसरे मैच में सीजन की नई टीम लखनऊ के साथ खेलेगी तो टीम के सामने दोबारा जीत दर्ज करने की चुनौती होगी। गुजरात के खिलाफ मैच के बाद कोच ने रिकी पोंटिंग ने कहा था कि पावरप्ले में बल्लेबाजी में सुधार की जरुरत है, क्योंकि जब तक आपको अच्छा स्टार्ट नहीं मिलता है आप मैच नहीं जीत सकते हैं। लेकिन अब दिल्ली की मुश्किलें कम हो सकती हैं। लखनऊ के खिलाफ मैच में दिल्ली पहले से ज्यादा स्ट्रॉन्ग होने वाली है इस मैच में तेज गेंदबाज आनरिक नोकिया और डेविड वार्नर जैसे दिग्गज टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस बात की पुष्टि टीम के सहायक कोच शेन वाटसन ने की है। वार्नर ने अपनी क्वारंटाइन की अवधि पूरी कर ली है और अब वे खेलने के लिए तैयार हैं। वहीं, नोकिया पिछले कुछ हफ्तों से लगातार नेट्स में पसीना बहा रहे हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। वार्नर के आने से जहां दिल्ली की पावरप्ले में अच्छी शुरुआत दिलाने की समस्या सुलझ सकती है तो वहीं नोकिया के आने से गेंदबाजी में पैनापन आ जाएगा। फिलहाल गेंदबाजी क्रम की बात करें तो दिल्ली के पास अनुभवी गेंदबाजों की कमी है। पिछले मैच में मुस्तफिजुर ने अपनी गेंदबाजी से जरूर प्रभावित किया था लेकिन नोकिया के आने से टीम की गेंदबाजी और भी स्ट्रोंग हो जाएगी। दिल्ली के शुरुआती दो मैचों की बात करें तो पहले मैच में जहां दिल्ली ने बाद में बल्लेबाजी करते हुए अक्षर पटेल और ललित यादव की बल्लेबाजी के दम पर मुंबई को हराया था तो वहीं दूसरे मैच में गुजरात के खिलाफ उसे आखिरी कुछ ओवरों में लगातार विकेट गंवाने की वजह से हार का सामना करना पड़ा था।

नीतीश राणा और बुमराह की मुश्किलें बढ़ीं, जुर्माने के साथ लगाई गई फटकार

नई दिल्ली। कोलकाता और मुंबई के बीच हुए इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें मैच में कोलकाता ने मुंबई को हराकर प्वाइंट्स टेबल के टाप पर जगह बना ली जबकि मुंबई को इस सीजन में लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इस मैच में 4 विकेट खोकर 161 रन बनाए थे जिसे कोलकाता की टीम ने पैट कमिंस के 15 गेंदों पर खेली गई 56 रन की तूफानी पारी की बदौलत 16 ओवर में ही हासिल कर लिया।मैच के बाद मुंबई के लिए एक और बुरी खबर इंतजार कर रही थी। दरअसल मुंबई इंडियंस के गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और कोलकाता नाइटराइडर्स के बल्लेबाज नीतीश राणा को आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। दोनों खिलाड़ियों को इसके लिए फटकार लगाई गई है। नीतीश राणा पर उनके मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने लेवल 1 के इस अपराध को स्वीकार कर लिया है। जसप्रीत बुमराह ने भी लेवन 1 के इस अपराध को स्वीकार कर लिया है, उन्हें भी फटकार लगाई गई है। मैच के 12वें ओवर में नीतीष राणा जब आउट होने के बाद पवेलियन लौट रहे थे तो उन्होंने अपने बैट से बाउंड्री पर लगे बोर्ड पर जोर से मारा था। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन की बात करें तो नीतीश राणा के लिए मुंबई के खिलाफ मैच अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने केवल 8 रन बनाए थे जबकि बुमराह के लिए भी ये मैच उतना खास नहीं रहा। उन्होंने इस मैच में केवल 3 ओवर की गेंदबाजी की और 26 रन दिए। उन्हें इस मैच में एक भी विकेट नहीं मिला। दोनों खिलाड़ियों के लिए ये एक सबक है कि वो इस तरह की गलतियों से बचें क्योंकि यदि इस तरह की गलतियों को दोहराया जाता है तो जुर्माने के तौर पर उन्हें ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में आखिरी बार उतरी थीं ये खिलाड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की बैटर मिगनोन डु प्रीज ने वनडे और टेस्ट क्रिकेट फार्मेट से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने ये निर्णय इसलिए लिया है जिससे वे अपना ध्यान क्रिकेट के छोटे फार्मेट में ज्यादा लगा सकें। हालांकि इस निणय्र के पीछे एक कारण ये भी है कि वे अपने परिवार के साथ ज्यादा वक्त बिताना चाहती हैं। आइसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में वो टीम का हिस्सा भी थीं। दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों हार कर बाहर हो गया था। उन्होंने इस मौके पर कहा मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे वर्ल्ड कप खेलने का मौका मिला दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट की तरफ से जारी एक रिलीज में डु प्रीज के हवाले से कहा गया है कि ये सब मेरी यादों में सबसे बड़े खजाने की तरह है। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट की स्थिति अच्छी है और यही सही समय है कि मैं अगली पीढ़ी को आगे आने के लिए मौका दूं उन्होंने क्रिकेट के दो फार्मेट से संन्यास का ऐलान किया है। 2014 में भारत के खिलाफ खेली गई उनकी 102 रन की पारी हमेशा के लिए यादगार रहेगी। 2011 से 2016 तक उन्होंने अपनी टीम के लिए कप्तानी की भी जिम्मेदारी संभाली। 32 साल की डु प्रीज ने इस दौरान 46 वनडे मैच खेले जिसमें से 24 मैचों में टीम को जीत मिली। इस मौके पर उन्होंने कहा मै दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट और बोर्ड को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने मेरे वनडे करियर के दौरान मेरा समर्थन किया। मै 154 वनडे मैचों में देश का प्रतिनिधित्व करने के सम्मान के लिए बहुत आभारी हू डु प्रीज के आखिरी वनडे मैच की बात करें तो वे इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में वर्ल्ड कप के दौरान उतरी थीं। वे भारत के खिलाफ महत्वूर्ण मैच में प्लेयर आफ द मैच रही थीं। उन्होंने उस मैच में नाबाद 52 रन की पारी खेली थी। दक्षिण अफ्रीका अब जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच में उतरेगा जहां एक बार फिर से डु प्रीज बल्लेबाजी करते नजर आएंगी। इस दौरे पर अफ्रीकी टीम एक टेस्ट मैच और तीन वनडे मैच भी खेलेगी।

दिल्ली के खिलाफ इन खिलाडियों पर होगी लखनऊ को तीसरी जीत दिलाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें मुकाबले में केएल राहुल के नेतृत्व में लखनऊ की टीम दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। पिछले मैच में टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को रोमांचक मुकाबले में 12 रन से हराया था। टीम के गेंदबाजों के लिए चिंता की बात ये हैं कि उनके सामने दिल्ली की टीम है और डेविड वार्नर खेलते हुए नजर आ सकते हैं। हालांकि वार्नर के लिए लखनऊ के पास रवि बिशनेई हैं जिन्होंने इससे पहले दो बार उन्हें पवेलियन भेजा है। लखनऊ की बल्लेबाजी पिछले दो मैचों में अच्छा कर रही है खासतौर से दीपक हुड्डा शानदार लय में बल्लेबाजी कर रहे हैं। युवा बदोनी ने भी अपने बल्लेबाजी से लखनऊ की उम्मीदों को बढ़ा दिया है लखनऊ की ओपनिंग जोड़ी- क्विंटन डीकाक और केएल राहुल के रूप में टीम के पास सबसे खतरनाक ओपनिंग जोड़ी है। पिछले मैच की बात करें तो केएल राहुल ने भले 68 रन की पारी खेली लेकिन डीकाक केवल 1 रन ही बना पाए थे। इस मैच में इन दोनों के कंधे पर अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। लखनऊ का मध्यक्रम- टीम के मध्यक्रम ने जिस तरह से बीते तीन मैचों में प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए विरोधी टीम को इससे निपटने की आवश्यकता होगी। खासतौर से दीपक हुड्डा शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनके अलाना आयुष बदोनी, इविन लुइस और क्रुणाल पांड्या जैसे बल्लेबाज हैं। मनीष पांडे का फार्म टीम के लिए चिंता का विषय है।गेंदबाजी में लखनऊ की टीम- गेंदबाजी में जेसन होल्डर के आने से टीम का गेंदबाजी क्रम स्ट्रोंग हुआ है। इनके अलावा एंड्र्यू टाय और आवेश खान जबरदस्त फार्म में हैं। स्पिन गेंदबाज के रूप में क्रुणाल पांड्या और रवि बिशनेई ने अच्छा काम किया है।लखनऊ की टीम का संभावित प्लेइंग इलेवन केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डीकाक (विकेटकीपर), मनीष पांडे, इविन लुइस, दीपक हुड्डा, आयुष बदोनी, क्रुणाल पांड्या, जेसन होल्डर, एंड्र्यू टाय, रवि बिशनेई, आवेश खान।

राशिफल

मेष-: नफरत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहनशक्ति को कम करता है, बल्कि आपके विवेक को भी जंग लगा देता है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार पैद।

वृष-: आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है। इस राशि के बेरोजगारों को बड़ी कंपनियों से नौकरी के ऑफर मिलन

मिथुन-: आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। छात्रों के लिए यह दिन थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है। पढ़ाई के दौरान एकाग्रता बढ़ाने के लिए आपको कड़ी मेहनत कर

कर्क-: आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे - लेकिन खर्ची में वृद्धि आपके लिए बचत करना और कठिन बना देगी। आज आप अपने आसपास के लोगों के व्यवहार से नाराज़ महसूस करेंगे

सिंह-: आज आपका मन लेखन कार्य में रहेगा। इस राशि के छात्र जो विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं। अपनी पढ़ाई को लेकर विदेशी विश्वविद्यालयों से बात करने के लिए

कन्या-: यात्रा करने के लिए आज का दिन आपके लिए अच्छा है। प्रतिस्पधिर्यों से बहस न करें। आपकी शांत मनः स्थिति दूसरों के प्रश्नों से बाधित होगी।

तुला-: बैंक से जुड़े लेन-देन में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है। परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर कुछ अलग और रोमांचक करना चाहिए। आज आप निराश महसूस कर सकते

वृश्चिक-: आज आप घरेलू सामान खरीदने पर अधिक पैसा खर्च कर सकते हैं। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने।

धनु-: आज यात्राओं से व्यापारिक संबंध सुधरेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आमदनी में रुकावट आ सकती है। जीवन साथी के साथ आज का दिन शानदार रहने वाला है।

मकर-: अचानक यात्रा करना थका देने वाला साबित होगा। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी - लेकिन आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ-: आपका आज का दिन शानदार रहेगा। आपको पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। बिलियड्र्स खिलाड़ी के लिए आज का दिन बेहद अहम है।

मीन-: आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। मित्रों और रिश्तेदारों से आपको लाभ होगा।

सम्पादकीय

रूस-यूक्रेन युद्ध से सबसे बड़ा सबक यही मिला है कि अपनी रक्षा के लिए आप किसी और पर निर्भर नहीं रह सकते

यूक्रेन पर अपने हमले को रूस ने 'विशेष सैन्य अभियान' का नाम दिया है। राष्ट्रपति पुतिन को पूरा भरोसा था कि जैसे उनकी सेनाओं ने क्रीमिया को जीत लिया, वैसे ही यूक्रेन को भी तीन दिनों में ध्वस्त कर देंगी। उनके लिए यह अफसोसजनक रहा कि महीने भर तक भारी-भरकम सैन्य हमलों के बावजूद यूक्रेन के प्रमुख शहरों में रूस की पैठ नहीं बन पाई। यहां तक कि रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल का भी सहारा लिया। यूक्रेन के सैन्य बलों, नागरिकों और राजव्यवस्था ने बहुत मजबूती से प्रतिरोध किया। अपने शस्त्रागार के बजाय देशभक्ति और लोकतंत्र के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें यह शक्ति प्रदान की है, जो संस्थानों और मानवीय जीवन पर आघात से भी अप्रभावित है। अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त थामस सेलिंग के अनुसार कोई टकराव वास्तव में उन नीति-नियंताओं के बीच रणनीतिक मुकाबला होता है, जो अपनी पसंद के विकल्पों को लेकर उसकी कीमत एवं फायदों को तौलते हैं। हालांकि हमलावर की रणनीति की सफलता उन संभावित परिणामों पर निर्भर करती है, जिस पर हमला किया जा सकता है। पूरा विश्व यूक्रेन युद्ध की विभीषिका का प्रत्यक्षदर्शी बना हुआ है। सहानुभूति को शब्दों के माध्यम से व्यक्त किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव से लेकर यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति और लाखों यूक्रेनियों का पड़ोसी देशों में शरणार्थी के रूप में स्वागत और रूस पर अप्रत्याशित आर्थिक प्रतिबंध और उसके धनकुबेरों एवं उनके संगी-साथियों पर कसता शिकंजा हम सभी ने देखा है। इतना ही नहीं पूरी दुनिया ऊर्जा संसाधनों, खनिज, खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देख रही है। महंगाई के कारण उपजी मंदी और व्यापक मानवीय त्रासदी की स्थिति बन रही है। इस युद्ध का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि यह लड़ाई कितनी लंबी खिंचेगी और उसका अंत किस प्रकार होता है? रूस की मजबूत सेना के खिलाफ यूक्रेन के सीमित सैनिक और स्वयंसेवक ही मोर्चा संभाल हुए हैं। अभी से यह कहा जाने लगा है कि युद्ध में यूक्रेन की नैतिक जीत हो रही है। दुनिया भर में बन रहे अधिकांश विमर्श इसी पर केंद्रित हैं कि पुतिन यह लड़ाई हार रहे हैं। हालांकि जंग के मैदान में जीत इसी पहलू से निर्धारित होगी कि यूक्रेन का सैन्य अमला अपने देश की रक्षा के लिए कब तक अड़ा रहेगा। यूक्रेन युद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े नीति-नियंताओं को कई सबक देता है। सबसे पहला तो यह कि अपनी रक्षा के लिए आप किसी और पर निर्भर नहीं रह सकते। इसमें सहानुभूति से कोई खास मदद नहीं मिलने वाली। न केवल लड़ाई खुद लडी होगी, बल्कि उसके प्रभावों-दुष्प्रभावों को भी स्वयं ही झेलना होगा। दूसरा सबक यह है कि मौजूदा युद्ध केवल एक ही मोर्चे पर नहीं लड़े जाते। उनमें सैन्य संघर्ष से लेकर साइबर युद्ध, सूचना युद्ध और आर्थिक प्रतिबंध एवं ऊर्जा संकट जैसे मोर्चे भी शामिल होते हैं। इसमें किसी के उपहार उदार अवश्य हो सकते हैं, लेकिन वे जिताने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। इसका उत्तर उसी मंत्र में निहित है, जिसका आह्वान प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ अर्से से करते आए हैं। यह मंत्र है आत्मनिर्भरता का, जिसमें रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, सूचना हाईवे और ऊर्जा पर्याप्तता जैसे तमाम पहलू समाहित हैं। भारत के आयात बिल में ऊर्जा संसाधन, प्रौद्योगिकी और सैन्य साजोसामान से लेकर उन तमाम उपकरणों के पुर्जे भी प्रमुख अवयव हैं, जिनसे यहां निर्माण कार्य किया जाता है। यह हमारी कमियों को मुखरता से रेखांकित करता है। भारत एक शांतिप्रिय देश है और उचित ही है कि वह किसी पाले में नहीं खड़ा होता। हालांकि अक्सर उसकी विदेश नीति और रुख को इस प्रकार सुसंगत होना चाहिए कि उसके रणनीतिक रक्षण का मसला अलग-थलग न पड़े। मजबूत रणनीतिक कवच की रूपरेखा लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी है। मौजूदा सरकार स्थितियों को गंभीरता को समझकर तत्परता से कमियों को दूर करने में जुटी है, किंतु दशकों की हीलाहवाली को रातोंरात दुरुस्त नहीं किया जा सकता। आर्थिक धुरी को बदलने और बहुध्रुवीयता वाला वर्तमान भू-राजनीतिक उभार अत्यधिक तत्परता की मांग करता है। ऐसे में एक व्यापक रणनीतिक कायर्योजना तैयार करनी होगी। इसमें सबसे बड़ी प्राथमिकता तो अर्थव्यवस्था का कुशल प्रबंधन एवं ऊंची जीडीपी वृद्धि होनी चाहिए। इसके लिए लोगों, उद्यमों और नीति-नियंताओं को बेहतर समझ बनाकर उचित समन्वय के साथ काम करना होगा।

गणित और विज्ञान के आईने में कोरोना की चौथी लहर को लेकर बेहद भ्रामक सूचनाएं आ रही सामने

कोविड मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दिखने के बावजूद चीन, ब्रिटेन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे दुनिया के कुछ देशों में ओमिक्रोन के सब वेरिएंट बीए-2 का संक्रमण जिस तरह बढ़ा है, उससे अपने यहां भी चिंता बढ़ी है। हालांकि देशभर में कोरोना का असर निरंतर कम होता जा रहा है, लेकिन सतर्कता जारी रखनी होगी, क्योंकि इसके गणित माडल से भविष्यवाणी करने वालों का कहना है कि कोरोना की चौथी लहर कभी भी आ सकती है मीडिया के एक हिस्से ने भी ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के हवाले से ओमिक्रोन के सब वेरिएंट के हाइब्रिड स्ट्रेन से बने नए वेरिएंट एक्सई का खौफ इस तरह फैलाया है कि लोग भयग्रस्त हैं। लोगों की चिंता में विश्व स्वास्थ्य संगठन की आशंकाएं, चीन के कई बड़े शहरों की पाबंदियों आदि का भी योगदान है। कुछ स्रोत कहते हैं कि लहर अवश्य आएगी, पर जानलेवा नहीं होगी। उधर सरकारें और समाज का एक वर्ग यह बात स्थापित करने पर उतारू है कि कोरोना महामारी खत्म हो गई है, अब कोई लहर नहीं आने वाली। लेकिन दुविधा वाली बात यह है कि चौथी लहर के बारे में विभिनन स्रोतों से मिलने वाली सूचनाएं तीसरी लहर से पहले आने वाली सूचनाओं जैसी ही विरोधाभाषी हैं। इस कारण भी इनसे भ्रम पैदा हो रहा है। इस मामले में विज्ञान और गणित तक में विभेद है। आइआइटी कानपुर

के प्रोफेसरों का गणितीय माडल कहता है कि देश में कोरोना की चौथी लहर अवश्य आएगी। दो महीने बाद जून में इसका असर दिख सकता है, तीन महीने बाद पीक आएगा तथा सितंबर अंत तक यह तेजी से सिमट जाएगी। दूसरी तरफ देश के कई विषाणु विज्ञानी यह दावा कर चुके हैं कि चौथी लहर की कोई आशंका नहीं है। उनका कहना है कि लहर उसे कहते हैं जब संक्रमण दर तेजी से ऊपर चढ़े और फिर नीचे उतरे। अगर जून-जुलाई तक संक्रमण के मामले कुछ बढ़े भी तो वे इतने नहीं होंगे कि लहर का निर्माण करें। साथ ही, संक्रमित करने वाला विषाणु भी इतना कमजोर होगा कि इसका असर तीसरी लहर की तुलना में 10 प्रतिशत जितना भी नहीं होगा। वायरोलाजिस्ट और सीएमसी वेल्लोर के पूर्व प्रोफेसर डा. टी जैकब जान कहते हैं कि कोविड की चौथी लहर की भविष्यवाणी करने के लिए कोई वैज्ञानिक कारण नहीं है। सभी विषाणु विज्ञानी और चिकित्सक एकमत हों ऐसा भी नहीं है। राजधानी दिल्ली के एक वरिष्ठ महामारी विज्ञानी का विचार है कि वायरस में हजार से अधिक उत्परिवर्तन हो चुके हैं और आगे भी होंगे। यह तय है कि यह म्यूटेशन चौथी लहर का कारण बनेगा, एक और विशेषज्ञ डा. चंद्रकांत लहरिया के अनुसार ओमिक्रान का नया वेरिएंट कोरोना की चौथी लहर लाएगा अवश्य। कुछ का कहना है कि इतनी आश्वस्ति से कुछ कहना कठिन है। हमें कुछ और समय इंतजार करना चाहिए, आंकड़े बताएंगे कि नया वेरिएंट लहर पैदा कर पाने में सक्षम है कि नहीं, क्योंकि दस गुना संक्रामक होने के बावजूद नए वेरिएंट के मामले बहुत ज्यादा सामने नहीं आ रहे। वैसे घातक और बड़ी कोरोना लहर की आशंका कम है, पर उधर टीवी माध्यम सनसनी फैला रहा है कि चीन और दक्षिण कोरिया में कोरोना संक्रमण के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ये हालात कल भारत के भी हो सकते हैं। टीवी पर तर्कातीत होने के आरोप लगते रहते हैं, परंतु तर्क सम्मत बात कहने वाले विज्ञान और गणित ही जब विरोधाभासी दावे कर रहे हों तो राजनीतिक और अधिकारियों के बयानों के बारे में कहना ही क्या। इस संदर्भ में सर्वाधिक प्रचलित तर्क है, देश के 95 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। जल्द ही दूसरी डोज वाले भी 80 प्रतिशत के पार होंगे। साथ ही, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को पूरक डोज भी लग ही रहे हैं। आधी से अधिक जनसंख्या को जाने अनजाने परोक्ष रूप से कोरोना संक्रमण हो चुका है, इन सबकी प्रतिरोधक क्षमता बहुत मजबूत है। हर्ड इम्युनिटी की यह आदर्श स्थिति है। माना कि बीए-2 वैक्सीन से बच निकलता है, इसके बावजूद भारत में इसका संक्रमण बहुत घातक नहीं होगा। सवाल यह है कि जब वैक्सीन की प्रतिरोधक क्षमता संबंधी प्रभाविकता के बारे में यह पक्का पता ही नहीं कि इसका असर साल भर टिकता है कि नहीं तो यह बात पुख्ता तौर पर कैसे कही जा सकती है। पहली और दूसरी डोज लगवाने के बावजूद लोगों को कोरोना संक्रमण हुआ। वैक्सीन लगवाने के बाद संक्रमण संभव है, पर यह जानलेवा नहीं होगा, ऐसा कहने के बावजूद जानें गईं। ऐसे में यह तो तय है कि जून तक बहुतों की वैक्सीन जनित सुरक्षा खत्म हो चुकी होगी। संक्रमण से पैदा हुई इम्युनिटी व्यक्ति आधारित है, यह कितनी मजबूत होगी यह भी आंकना जटिल है, क्योंकि यह व्यक्तिगत स्तर पर कोरोना के संक्रमण की गंभीरता, जटिलता, वायरस लोड आदि पर निर्भर है। बूस्टर डोज के प्रति सरकार बहुत उत्साही नहीं दिखती, यह सबको नहीं लग रही और जिनके लिए यह प्रस्तावित है उनकी भी संख्या पूरी नहीं हुई है। इस तरह देखें तो एक बड़ी आबादी समय बीतने के साथ असुरक्षित होगी। कोरोना की लहरों के प्रबंधन के बारे में लोग बहुत कुछ जान समझ चुके हैं। भले ही आशंकित चौथी लहर बहुत कमजोर रहे, पर उचित होगा कि सुविचारित उपाय तथा सतर्कता सतत जारी रहे। 180 करोड़ से अधिक रिकार्ड टीकाकरण कवरेज वाले देश में फिर से कोरोना का खौफ अगर सता रहा है तो वह इसलिए भी कि भारत में कोरोना के एंटीबाडी का स्तर समय के साथ घटता जाता है, लेकिन हाइब्रिड इम्युनिटी सुरक्षा प्रदान करती रहती है, इसलिए वैक्सीन की कमी की आड़ न लेते हुए 60 से नीचे वालों को भी, यदि वे खतरनाक बीमारियों से ग्रस्त हों, फ्रंटलाइन वर्कर हों अथवा नहीं, उन सभी को वैक्सीन का पूरक डोज मिलना चाहिए। लापरवाही बरती तो कमजोर प्रतिरोधी क्षमता वाले बुजुर्गों के जरिये चौथी लहर आ सकती है। टीकाकरण की रफ्तार धीमी हो चुकी है और जीनोम सैंपलिंग, सीक्वेंसिंग का काम बेहद सुस्त है। ऐसे में जीनोम सीक्वेंसिंग में घटती तत्परता घातक हो सकती है। प्रशासनिक पाबंदियां कम होने से जनता ने कोरोना प्रोटोकाल को ताक पर रख दिया है। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि लहर खत्म हुई है, कोरोना निर्मूल नहीं हुआ है। पाबंदियां हटाने के बाद अब सरकार को जागरूकता बढ़ाने के साथ ही भ्रम दूर करने वाला विज्ञान सम्मत अभियान चलाकर जनता को वस्तुस्थिति से अवगत कराना चाहिए।

भारत में असंगठित तौर पर कार्यरत श्रमिकों के लिए आर्थिक सामाजिक सुरक्षा की महत्ता

वृद्धावस्था में सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में संसद का एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप सामने आया है। हाल ही में एक स्थायी समिति ने अनुदान मांग 2022-23 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए ईपीएफओ यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की पेंशन योजना के तहत अंशधारकों को एक हजार रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन को कम मानते हुए इसे बढ़ाने के लिए कहा है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब किसी समिति ने इस तरह की बात की हो, इससे पहले भी कई अन्य समितियों ने पेंशन को बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन इस समिति ने कुछ ऐसे प्रयास भी किए है जिससे इस प्रस्ताव ने सर्वोच्च स्तर पर सामाजिक सुरक्षा और उसे सुनिश्चित करने में सरकार की भूमिका को एक नई दिशा दी है। समिति की सिफारिशें क्यों और कितनी महत्वपूर्ण है, इसे समझने के लिए हमें तीन पहलुओं को देखना होगा। पहला, सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा और उसकी जरूरत। दूसरा, सरकार की क्षमता और तीसरा भविष्य में भारत के जनसांख्यिक बदलाव। सामान्य शब्दों में समझें तो सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा वह प्रविधान है जो किसी व्यक्ति की बेरोजगारी, बीमारी, दुर्घटना, वृद्धावस्था या कोई ऐसा प्रसंग जिसमें उसके सामने कोई असाधारण खर्च आ जाए, उस दशा में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। भारत के लिए सामाजिक सुरक्षा और विशेष तौर पर वृद्धावस्था से जुड़ी पेंशन का प्रशन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि आने वाले दशकों में हमारी औसत आयु बढ़ेगी। इस कारण से पेंशन पर निर्भर आबादी और उसका बोझ दोनों बढ़ेंगे। इस संबंध में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना-1995 के अंतर्गत न्यूनतम मासिक पेंशन को एक हजार रुपये किया गया था, जो न केवल अपर्याप्त प्रतीत हो रहा है, बल्कि रंगराजन समिति की शहरी गरीबी रेखा से नीचे भी है। यही कारण है कि कई श्रमिक संगठनों ने उस समय भी इसे बढ़ाने की मांग की थी। अब जब पिछले आठ वर्षों में महंगाई और बढ़ी है तो ऐसे में यह राशि और भी कम प्रतीत हो रही है। पेंशन का प्रशन ईपीएफओ तक ही सीमित नहीं है। भारत में करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। यह वर्ग किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित है। ऐसा नहीं है कि इस वर्ग के लिए योजनाएं नहीं बनाई गई,

परंतु भारत में ज्यादातर सामाजिक सुरक्षा कानून और योजनाएं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक पहुंचने में विफल रहीं। असंगठित क्षेत्र उद्यम के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीइ्यूएस) की 2006 की रिपोर्ट, 'असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षाऽ के बाद विभिनन संगठनों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक समूहों के द्वारा अभियान चलाने के बाद वर्ष 2008 में असंगठित क्षेत्र श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 देश में लागू हुआ। मगर इससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जोड़? में कारगर सफलता नहीं मिल पाई। पूर्व के अनुभवों से सीख लेते हुए पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने देश में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2020 में लाया गया सामाजिक सुरक्षा संहिता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक मत्वपूर्ण कदम है। भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई इस संहिता में 'गिग इकोनमीऽ और इस तरह के विविध प्लेटफार्म से जुड़े श्रमिकों को भी लाभ मिल सके इसलिए उन्हें भी जोड़ा गया है। इस संहिता में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए या तो अंशदान के आधार पर या कुछ मामलों में पूरी तरह से सरकारी वित्त पोषित या कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के अनुसार पूरे कार्यबल की सामाजिक सुरक्षा को विस्तार देने का प्रविधान किया गया है। कोविड महामारी के बाद पैदा परिस्थिति ने सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता और बढ़ा दी है। असंगठित क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती श्रमिकों का डाटाबेस नहीं होने से जुड़ी थी। अगस्त 2021 में सरकार ई-श्रम पोर्टल लेकर आई जिसके माध्यम से इस कमी को दूर करने का प्रयास शुरू हुआ। वर्तमान में करीब 26 करोड़ से ज्यादा असंगठित श्रमिकों को ई-श्रम कार्ड जारी किया जा चुका है। इसमें पंजीकृत श्रमिकों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा लाभों के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी दिशा में बढ़ते हुए हाल ही में श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत 'डोनेट ए पेंशनऽ नामक पहल की शुरुआत की। इस पहल में कोई भी नागरिक अपने कर्मचारी जैसे चालक, घरेलू सहयोगी इत्यादि के पेंशन के प्रीमियम योगदान को दान कर सकते है। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना स्वैच्छिक और अंशदायी है जिसमें लाभार्थी 60 वर्ष की आयु तक एक निर्धारित योगदान करता है। केंद्र सरकार भी इसमें योगदान करती है तथा 60 वर्ष की आयु के बाद उसे तीन हजार रुपये की मासिक पेंशन मिलेगी। वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा को प्रत्येक श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार की ऐसी सभी योजनाओं की जानकारी उन्हें मिले और इससे भविष्य या किसी दुर्घटना की स्थिति में उन्हें क्या लाभ मिलेगा, वह भी उन्हें समझाया जाए। साथ ही वर्तमान की योजनाओं का एक अध्ययन भी करने की जरूरत है जिससे पता लगाया जा सके कि कौन सी योजनाएं सबसे प्रभावी रही है, ताकि उनको और सुदृढ़ किया जा सके। वर्तमान में भारत में इस क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं में समाज की भागीदारी उतनी नहीं है। हालांकि 'डोनेट ए पेंशन ऐसी एक बेहतर पहल है, लेकिन इस दिशा में अभी व्यापक प्रयास करने की जरूरत है, ताकि समाज अपनी भागीदारी को इसमें बढ़ा सके।

मजहबी दुस्साहस की पराकाष्ठा, आबादी के लिहाज से भारत के दूसरे सबसे बड़े समूह में कट्टरता का प्रसार चिंता का विषय

बीते दिनों एक सनसनीखेज वारदात में मुर्तजा अहमद अब्बासी नामक एक युवक ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर पर तैनात सुरक्षा कर्मियों पर धारदार हथियार से हमला बोल दिया। आइआइटी बांबे से केमिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त मुर्तजा गोरखपुर के एक पढ़े-लिखे मुस्लिम परिवार से संबंध रखता है। यह कोई पहला मौका नहीं, जब उच्च शिक्षा प्राप्त कोई मुस्लिम युवक ऐसी गतिविधि में लिप्त पाया गया हो। आइआइटी बांबे का ही एक अन्य छात्र शरजील इमाम और जेएनयू का छात्र उमर खालिद दिल्ली दंगों में बतौर आरोपी जेल में निरुद्ध है। अहमदाबाद दंगों में हाल में जिन 49 आतंकियों को सजा हुई, उनमें डाक्टर, इंजीनियर, कंप्यूटर विशेषज्ञ आदि शामिल थे। इस्लामिक स्टेट यानी आइएस में शामिल होने वाले भारतीयों में कई शिक्षित मुस्लिम थे। इसके अलावा 9/11 समेत अन्य तमाम आतंकी घटनाओं में डाक्टर, इंजीनियर आदि शामिल पाए गए हैं। इससे यह स्पष्ट है कि मजहबी कट्टरता का अशिक्षा से कोई लेना-देना नहीं और इस्लामी मतांधता पढ़े-लिखे वर्ग को भी अनपढ़ लोगों की ही तरह प्रभावित करती है। आबादी के लिहाज से भारत के दूसरे सबसे बड़े समूह में कट्टरता का इतने बड़े स्तर पर प्रसार अत्यधिक चिंता का विषय है, परंतु इस समस्या पर समग्र चिंतन का अब भी अभाव है। इस मतांधता का संज्ञान करौली जैसे दंगों या गोरखपुर जैसी घटनाओं के होने पर ही लिया जाता है, जबकि यह कट्टरता की वह चरम अवस्था है, जो मजहबी श्रेष्ठता, गैर मुस्लिमों के प्रति असहिष्णुता, खान-पान, पहनावे जैसे मजहबी प्रतीकों के सार्वजनिक जीवन में प्रक्षेपण और देश के कई हिस्सों में जनसंख्या अनुपात बदलने के प्रयासों जैसे तमाम चरणों की पराकाष्ठा है। हिंसा या हिंसा की धमकी द्वारा शासन और लोकनीति को प्रभावित करने के प्रयास भी इसी कड़ी का हिस्सा है। इसी क्रम में कुछ दिन पहले तमिलनाडु तौहीद जमात ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उन जजों को जान से मारने की धमकी दी, जिन्होंने स्कूली कक्षाओं में हिजाब पहनने की जिद को यूनिफार्म की अवहेलना करार दिया था। इस जमात के सदस्यों ने जजों को धनबाद में वाहन द्वारा कुचलकर मारे गए जज की तरह अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। एक अन्य ने जजों को धमकाया कि जमात को पता है कि जज अपने परिवारों के साथ छुट्टियां मनाने अथवा सुबह टहलने के लिए कहां जाते हैं। मूर्ति पूजा के विरोध में घोर हिंदू विरोधी रैलियां निकालने वाली तौहीद जमात पहले भी सुखिर्यों में रही है।

नैतिक शिक्षा ही सामाजिक मूल्यों की स्थापना का सशक्त माध्यम

नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए नया राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में डा. के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में एक समिति विचार विमर्श कर रही है। इसमें बचपन से ही बच्चों में वैज्ञानिक सोच के विकास पर ध्यान दिया जाएगा। साथ ही बच्चों में गणना संबंधी सोच और तर्क करने की क्षमता के विकास पर ध्यान दिया जाएगा। इसमें मौलिक कर्तव्य व अधिकार से जुड़े आयाम शामिल होंगे। लेकिन इन तमाम बातों के बीच एक अहम विषय की कोई चर्चा नहीं हो रही। हम बात कर रहे हैं नैतिक शिक्षा के अनिवार्य शिक्षण के रूप में रूपरेखा के निर्माण की। दरअसल नई शिक्षा नीति और नवीन पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा को शिक्षण विषय के रूप में शामिल करने की कोई बात नहीं की गई है। जबकि नैतिक शिक्षा ही सामाजिक मूल्यों की स्थापना का सशक्त माध्यम होती है। यह स्वीकार करना पड़ेगा कि अब तक हमारी शिक्षा प्रणाली मानवीय मूल्य और नैतिक चरित्र कायम करने में कहीं न कहीं नाकाम रही है। यही वजह है कि शिक्षितों के तबके में मानवीयता, संवेदना, विश्वास, सम्मान आदि नैतिक तत्वों का अभाव परिलक्षित हो रहा है। हर रोज अखबारों की खबरें यह प्रमाण देने में काफी है कि उच्च शिक्षित होने का दंभ भरने वाले समाज में दैत्य वृत्ति, निदय्ता, लालच, शोषण, घात, कत्तु, भ्रष्टाचार, ठगी आदि किस तरह से सामाजिक तानेबाने को खोखला कर रहे हैं। क्या आपने इस बात पर कभी गौर किया कि अपराध के लिए कठोरतम सजा का प्रविधान है। कानून की सख्ती

है, फिर भी अपराधों के ग्राफ में इजाफा हो रहा है। संज्ञेय अपराध बढ़े हैं। ऐसी दशा में हमें उन अन्य बातों पर विचार करना होगा जो समाज के अपराध मुक्ति में सहायक हो। इस स्थिति में शिक्षा से इसके सहसंबंध को देखा जाना महत्वपूर्ण हो जाता है। विशेषतया नैतिक शिक्षा की उपयोगिता को। यह भी हैरानी वाली बात है कि नैतिकता को अक्सर नैसर्गिक गुण बताकर इसे किसी को सिखाने से परहेज करने के कुतर्क को अक्सर हवा मिलती रही है। लेकिन सही अर्थ में नैतिकता सामाजिक गुण है, जिसे समाज द्वारा किसी व्यक्ति में प्रतिस्थापित किया जा सकता है। इस तरह अपराध नियंत्रण में नीतिपरक शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नीति और मूल्य आधारित शिक्षा द्वारा चरित्र निर्माण होने पर सरकार को अपराध नियंत्रण पर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ेगा। समझना होगा कि समाज के नैतिक पतन का सीधा सा संबंध शिक्षा से जुड़ा है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की यह खामी है कि देश में जिस तरह के नैतिक आचार-व्यवहार का परिचय दिया जाना चाहिए उसे यह प्राप्त करने में असफल रही है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में भौतिकता की अधिकता है और नैतिकता का अभाव। दरअसल शिक्षा ही मानवीय और नैतिक मूल्यों की स्थापना का सशक्त माध्यम है। हमारी शिक्षा का दर्शन सामाजिक और मानवीय होना चाहिए। यह एक सीमा तक सही है कि हम रोजगारपरक शिक्षा से डाक्टर, इंजीनियर, विज्ञानी, उद्यमी तैयार कर रहे हैं, मगर नकारात्मक पहलू यह है कि इसी शिक्षा पद्धति से हम अपने संस्कारों और समाज के मूल्यों को हटा रहे है। जरूरत है ऐसी शिक्षा व्यवस्था की जो पूर्णतया शोषणमुक्त और न्यायसंगत समाज का निर्माण करने में सहायक हो। यह लक्ष्य तभी पूरा किया जा सकता है जब स्कूल और कालेज में नैतिक शिक्षा का पाठ अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाए। यहां नैतिक शिक्षा देने से मतलब केवल पाठ्यपुस्तक और परीक्षा से नहीं है। इसका मतलब आदर्श मूल्यों, आदर्श पुरुषों, आदर्श महिलाओं, आदर्श कार्यों से जुड़ी सीख अकादमिक शिक्षा के साथ देने से है। स्मरणीय यह भी है आज से करीब तीन चार दशक पहले तक नैतिक शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता था। बाद में इसे किसी षड्यंत्र के तहत हटाया गया। विगत कई वर्षों से शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य बच्चों को रोजगार और आजीविका के लिए सक्षम बनाना रह गया है। यदि हम अपने वेदों और पुरातन साहित्य में वर्णित प्राचीन शिक्षा के प्रकार पर विमर्श करें तो पाएंगे कि उनमें वर्णित शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को जीवन के लिए तैयार करना था, मात्र जीविका के लिए नहीं। और शायद यही कारण था कि ऐसी शिक्षा से उत्पनन हुई पीढ़ी नैतिक मूल्यों से सुसज्जित समाज का निर्माण करती थी। यदि एक देश का विद्यार्थी नैतिक मूल्यों से रहित होगा, तो उस देश का कभी विकास नहीं हो सकता। शरीर विज्ञान के अनुसार नैतिकता पर आधारित चरित्रवान व्यक्ति का मानसिक संतुलन सदैव बना रहता है। पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा अनिवार्य करने से छात्रों में राष्ट्रीय चरित्र विकसित होगा। उच्च आदर्श चरित्र निर्माण ही राष्ट्र की रीढ़ है। इसलिए बच्चों को सदाचारी और जिम्मेदार जीवन जीने की शिक्षा दी जानी चाहिए, न कि केवल आजीविका कमाने की। यह भी जानना चाहिए कि नैतिक मूल्यों का विस्तार व्यक्ति से विश्व तक और जीवन के सभी क्षेत्रों में होता है। व्यक्ति-परिवार, समुदाय, समाज, राष्ट्र से मानवता तक नैतिक मूल्यों की यात्रा होती है। एक-एक अच्छे व्यक्ति से एक अच्छा परिवार बनेगा, एक-एक अच्छे परिवार से एक अच्छा समाज और एक अच्छा समाज सुसभ्य देश की पहचान बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

मनीष सिसोदिया का दावा, जयराम ठाकुर को हटाकर अनुराग ठाकुर को हिमाचल प्रदेश का सीएम बना सकती है भाजपा

नई दिल्ली । पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में 117 में से 92 सीटें जीतकर राजनीतिक में धमाका करने वाली आम आदमी पार्टी पड़ोसी हरियाणा समेत अन्य राज्यों में भी विस्तार की तैयारी में जुटी हुई है। ऐसे में खासतौर से केंद्र में सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी सरकार पर हमलावर है। इस बीच बृहस्पतिवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पत्रकार वार्ता कर एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। इस दौरान मनीष सिसोदिया ने दावा किया है कि अगले कुछ महीनों में भाजपा हिमाचल प्रदेश में जयराम ठाकुर को हटाकर उनके स्थान पर अनुराग ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाने जा रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि जयराम ठाकुर पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं। मनीष सिसोदिया ने पत्रकार वार्ता में यह भी कहा कि अरविंद केजरीवाल माडल आफ गवर्नेंस से भाजपा का डर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली के बाद पंजाब भी आम आदमी पार्टी के पास आ जाने के बाद अब हिमाचल प्रदेश और गुजरात को लेकर भाजपा परेशान है।

ओपेन शूटिग चैम्पियनशिप का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्रथम दादरी ओपन शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन सत्येंद्र कुमार शूटिंग एकेडमी दादरी (गौतम बुध नगर) द्वारा 1 अप्रैल 2022 से 6 अप्रैल 2022 तक किया गया इस चैंपियनशिप में विभिनन तरह की शूटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई उनमें से एनआर महिला वर्ग में जूनियर महिला एयर पिस्टल कैटेगरी का गोल्ड मेडल मनोज्ञा मिश्रा ने जीता ।इसके अतिरिक्त मनोज्ञा मिश्रा द्वारा सीनियर महिला एयर पिस्टल कैटेगरी का ब्रोंज मेडल भी जीत कर इस चैंपियनशिप में 2 मेडल जीतने का कीर्तिमान बनाया । मनोज्ञा मिश्रा ने लक्ष्य इंस्टिट्यूट ऑफ शूटिंग एंड स्पोर्ट्स नोएडा की ओर से इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया है मनोज्ञ मिश्रा के पिता डॉ अमरनाथ मिश्रा वर्तमान में संयुक्त कृषि निदेशक मेरठ मंडल मेरठ के पद पर कार्यरत है।

माकपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय पर झंडारोहण कर झंडे को दी सलामी- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी का 23 वां त्रिवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन कन्नूर केरल में शुरू हुआ। पार्टी के सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर पूरे देश में सीपीआईएम पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने झंडारोहण कर झंडे को सलामी दी गई। उक्त के तहत

ही सीपीआईएम नोएडा कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने झंडारोहण कर झंडे को सलामी दी और सम्मेलन को सफल बनाने की कामना व्यक्त किया। इस अवसर पर सीपीआई(एम) नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि माकपा के राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के मौजूदा राजनीतिक हालातों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी आदि मुद्दों पर विचार विमर्श कर आगामी संघर्षो की दिशा तय की जाएगी और नए पार्टी नेतृत्व का चुनाव किया जाएगा।

भदनपुर टोल नाका से 500 मीटर पहले ट्रक से हुआ दर्दनाक हादसा

मृतक का नाम कामता यादव पिता मनता यादव निवासी भदनपुर जोकि दूध बेचकर घर जा रहा था

(आधुनिक समाचार सेवा)

भदनपुर ।से झुकेही नवनिर्मित रोड बनके जैसे ही तैयार हुई वाहनों का आवागमन चालू हो गया लेकिन सड़क बनाने वाली कम्पनी और न ही ठेकेदार ने इसमें कोई टोल नही लगाया तो वही भदनपुर में स्थित ूंस्त् का चेक पोस्ट जो कि बिना ग्राम पंचायत के अनुमति लिए बरही साठगांठ करके लिंक रोड में बूथ बनाकर पूरी तरह अवैध बसूली कर रहा है जबकि उसी सड़क पर आज भीषण दर्दनाक हादसा हुआ जो कि से मैहर निकलने वाला वाहनों की बसूली के लिए लगाया गया था लेकिन इसमें कम्पनी के जी एम मदनलाल गुप्ता ने कलेक्टर से लेकर स्थानीय प्रशासन से पैसों की

टोल से 500 मीटर की दूरी पर हुआ लेकिन स्ट्रेम् के गाइड लाइन के अनुसार टोल के जी एम ने एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की अपनी नैतिक जिम्मेदारी न निभाते हुए एक क्रूरता का परिचय दिया तो स्थानीय बिका हुआ प्रशासन भी टोल के जीएम की इस अमानवीयता पर पर्दा डालने में अपनी पूरी जिम्मेदारी निभा रहा है 20 लाख रुपया महीने अवैध कमाई की रोड पर दुर्घटना होने पर टोल जी एम मदनलाल गुप्ता एम्बुलेंस नही करा रहे उपलब्ध प्रशासन भी नतमस्तक है मदनलाल के शातिर दिमाग के सामने अगर उस सड़क में जी एम अपनी जिम्मेदारी नही निभा रहे थे किस अधिकार से उस सड़क से चलने वालों वाहनों से 20 लाख रुपये महीने की अवैध बसूली कर रहे है क्या प्रशासन ने जी एम को अवैध वसूली के लिए गोद ले लिया है।

ग्रामीण क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से ऋण प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन करें आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अंबुज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में उद्योग स्थापना के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के आवेदन पत्र .ब्रम्दहत्हा ुदन.ग्ह तथा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार आवेदन पत्र .ल्ज्ब्रंुदन.ग्ह पर ऑनलाइन एवं मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदक ऑफलाइन आवेदन किसी भी कार्यालय दिवस में उपस्थित होकर कर सकते हैं। उक्त योजनाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल 9837340099 पर सम्पर्क करके प्राप्त कर सकते हैं।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

भाजपा मंडल करकी जिला शहडोल म.प्र.

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल ब्यौहारी । शीर्ष एवम प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार जिला अध्यक्ष आदरणीय श्री कमल प्रताप सिंह जी के निर्देशन में व मंडल अध्यक्ष आदरणीय श्री राजेश द्विवेदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के 42वे स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा मंडल करकी के शक्ति केंद्र टिहकी व शक्ति केंद्र पोडी कलां में मातृभूमि मां भारती व पितृपुरुषो के क्षायाचित्र में पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गईऽ प्रभात फेरी व झंडा रोहन का कार्यक्रम भी संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्री श्रीधर गर्ग जी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्री मोती सिंह जी , मंडल अध्यक्ष भाजयुमो श्री राहुल कुमार द्विवेदी जी , मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा श्री मती बंदना पाठक जी,कार्यालय मंत्री श्री विवेक कुमार शुक्ला जी, मंडल अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा श्री काशी यादव जी, मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा श्री अभिषेक जैन जी, वरिष्ठ

भाजपा कार्यकर्ता श्री अंबिका प्रसाद तिवारी जी, युवा मोर्चा से श्री संजय पाठक जी, श्री सुरेन्द्र कुमार तिवारी जी,श्री राजकुमार पटेल जी, श्री सौरभ तिवारी जी, श्री मुकेश पयासी जी, दीप गौतम जी ,अरुण पाठक जी, श्री अंब्रीश द्विवेदी जी, ब्रजेश तिवारी जी, कमल सिंह जी,पुरुषोत्तम द्विवेदी जी, वरिष्ठ पदाधिकारी , युवा मोर्चा व मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिना स्ट्रारीपर के हार्वेस्टर से फसल कटाई पर पूर्णतः प्रतिबंध के आदेश

(आधुनिक समाचार सेव)
दिनेश यादव

सतना । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने जिले में बिना स्ट्रा रीपर के हार्वेस्टर से फसल कटाई पर पूर्णतः प्रतिबंध का आदेश जारी किया है। जारी आदेश में बताया गया है कि वर्तमान

में जिले में भूसे की समस्या तथा कृषकों एवं पशुपालकों की आवश्यकता के दृष्टिगत स्थानीय स्तर पर भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं गर्मियों में लगने वाली आग की दुर्घटनाओं से होने वाले जन-धन के नुकसान पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है कलेक्टर श्री वर्मा ने समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी, अनुविभागीय कृषि अधिकारी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऐसे क्षेत्रों में जहां कंबाइन हार्वेस्टर से गेहूं की फसल की कटाई की जा रही है। वहां पर हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा रीपर के उपयोग को भूसा बनाने हेतु अनिवार्य करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्णय अनुसार जिन क्षेत्रों में कंबाईन हार्वेस्टर से फसल की कटाई की जाती है, वहां हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा रीपर के उपयोग को अनिवार्य किये जाने एवं रीपर कंबाइडर के उपयोग को बढ़ावा दिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग म.प्र. द्वारा फसल अवशेष के प्रबंधन के लिये उपयोगी मशीने जैसे हैप्पी सीडर, जीरो ट्रिल सीड ड्रिल रिवर्सिबल प्लाऊ, स्ट्रा रीपर, रेक, बेलर एवं ग्रेडर आदि यंत्रो को क्रय करने के लिये प्रेरित करने के निर्देश दिये गये हैं।

अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने जंगली हाथियों से सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल ब्यौहारी । जिले में जंगली हाथियों का दल छत्तीसगढ़ से विचरण करते हुए जयसिंहनगर क्षेत्र में ग्राम चितरांव एवं बांसा क्षेत्रों में लगातार घूम रहे है और जनहानि कर चुके है। जिला प्रशासन मिशन की तरह जंगली हाथियों के विचरण पर सतत निगरानी करने के लिए सभी आवश्यक कदम लगातार उठा रही है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य एवं पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश कुमार गोस्वामी द्वारा जंगली हाथियों के दल का विचरण झिरिया टोला क्षेत्र में होने पर वहां सभी विभागों की समन्वय बैठक कर लोंगो को जंगली हाथियों से बचने की समझाइश देने के साथ-साथ लगातार दल बनाकर मुनादी, वाहन माइकिंग, पटाखे आदि फोड़ने के साथ-साथ उनके मूवमेंट पर सतत निगरानी हेतु कहा। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश वैश्य ने गत दिवस प्रभावित क्षेत्र में रात्रिकालीन विश्राम किया और गश्ती दलों द्वारा लगातार किये गए निगरानी का निरीक्षण किया और जंगली हाथियों के दल के मूवमेंट क्षेत्र में रहकर गश्ती दलों का मार्गदर्शन किया। अपर कलेक्टर ने वन विभाग, पंचायत विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ ग्रामवासियों के साथ रात्रिकालीन निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि लोंगो को लगातार यह समझाइश देंवे कि वे अंधेरे में जहां हाथियों के दल का विचरण हो रहा है वहां पर न जाए और सुरक्षित रहें। अपर कलेक्टर ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर जंगली हाथियों के मूवमेंट क्षेत्र के ग्रामीणों को ग्राम पंचायत बांसा एवं झिरिया टोला के पंचायत भवन में ठहरने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें और उन्हें भोजन आदि भी उपलब्ध कराएं।

भाजपा का स्थापना दिवस पूरे नोएडा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भाजपा का स्थापना दिवस पूरे नोएडा में धूम धाम से मनाया गया। जिसके उपलक्ष्य पर सुबह 9.15 बजे भाजपा कार्यालय सेक्टर 116 पर जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता एवं जिला प्रभारी बसंत त्यागी ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के उपरांत प्रभातफेरी का आयोजन हुआ जिसमें सभी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। 10 बजे माननीय

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का उद्बोधन हुआ जिसके लिए एल.ई.डी की व्यवस्था की गयी थी। जिसको सभी कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय पर एक साथ सुना। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने कहा भाजपा नेक नीयत और नेक इरादों के साथ कार्य कर रही है, इसलिए उसे जनता का भरपूर आशीर्वाद भी मिल रहा है। गरीबों, दलितों, पिछड़ों, महिलाओं के हितों और उनके उत्थान के लिए काम करना हमारी पार्टी के मूल संस्कार हैं। देश में दो तरह की राजनीति चल रही है। एक है- परिवारभक्ति की और दूसरी है- भाजपा की राष्ट्रभक्ति की। हमारे लिए राजनीति और राष्ट्रनीति साथ-साथ चलती है।जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने भी स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा जिस तरह से भाजपा ने नॉएडा में प्रचंड जीत दर्ज की है उससे हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे है । ये कार्यक्रम आज जिले के साथ साथ हर मंडल पर भी मनाया गया। जिसमें शहीद भगत सिंह मंडल में सेक्टर 110 मार्केट, सरस्वती शिशु मंडल में धवलगिरी सेक्टर 11, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल में सेक्टर 116, महाराणा प्रताप मंडल के गिजोड़ गाँव, कृष्णा नगर मंडल में बुद्धविहार, चौटपुर कॉलोनी, अटल बिहारी वाजपायी मंडल में सामुदायिक केंद्र सेक्टर 40, सैनिक विहार मंडल मे सदरपुर कॉलोनी, दीन दयाल उपाध्याय मंडल में सेक्टर 27 पर आयोजित हुआ। स्थापना दिवस के मौक़े पर पार्टी प्रदेश में माइक्रो डोनेशन भी शुरू की है, जो नमो ऐप के माध्यम से शुरू होगा जहां लोग नमो ऐप से डोनेशन कर सकते हैं। ये डोनेशन 5 रुपए से ले कर 1000 रुपए तक कर सकते हैं। कार्यक्रम में गनन विकास संस्थान के अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, जिलाप्रभारी बसंत त्यागी जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री चांदीराम यादव, उमेश त्यागी, डिम्पल आनंद, गणेश जाटव, राकेश शर्मा, उपाध्यक्ष गिरजा सिंह, युद्धवीर चौहान, गिरीश कोटनाला, महेश अवाना, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, विनोद शर्मा, मंत्री चमन अवाना, एस पी चमोलि, प्रमोद बहल, रवि यादव, अमरीश त्यागी, युवा मोर्चा अध्यक्ष राम निवास यादव, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष उमेश यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी, मनोज शर्मा, नीता बाजपेई, अर्पित मिश्रा, मल्लिकेश्वर झा, शिवांश श्रीवास्तव, अनुज शर्मा, प्रवेश चौहान, अशोक मिश्रा, लोकेश कश्यप, पंकज झा, सुरजपाल राणा, बबलू यादव, गोपाल गौर, राम मेहर कौशिक, कल्लू सिंह, करतार चौहान, बिजेंद्रा नागर, हर्ष चतुर्वेदी, सचिन अंबावत, अहसान खान, बृजपाल चौहान, ओम् यादव, पूनम सिंह, राजीव त्यागी, नरेश शर्मा, योगेन्द्र चौधरी, भूपेश चौधरी, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद में रेडीमेड गारमेंट्स कार्य से जुड़े व्यक्तियों के लिए एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता योजना संचालित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र गौतम बुद्ध ने जनपद में रेडीमेड गारमेंट्स से जुड़े व्यक्तियों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) वित्त पोषण योजनान्तर्गत जनपद में रेडीमेड गारमेन्टस कार्य से जुड़े इच्छुक व्यक्तियों के लिए उत्तर प्रदेश शासन ने ऋण की सुविधा प्रदान किये जाने के उददेश्य से एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता योजना संचालित की गयी है। उन्होंने बताया कि जनपद के लिए चयनित उत्पाद रेडीमेड गारमेन्टस को बढ़ावा देने के लिए रेडीमेड गारमेन्टस के कपड़ो के निर्माण / सेवा / व्यवसाय के लिए स्वयं रोजगार स्थापित करने के लिए बैंको से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए इच्छुक युवक-युवतियां जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष या अधिक है वह उद्योग/सेवा एवं व्यवसाय के लिए दिनांक 20-4-2022 तक ऑनलाइन पर आवेदन कर सकते हैं। एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता के तहत 25.00 लाख रुपए तक के ऋण पर 25 प्रतिशत, 50.00 लाख रुपए तक के ऋण पर 20 प्रतिशत एवं 50.00 लाख रुपए से अधिकतम ऋण धनराशि 2.00 करोड़ रुपए पर 10 प्रतिशत या अधिकतम 20.00 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदनकर्ता किसी भी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए और न ही उसे या उसके परिवार ने भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी योजना में लाभ प्राप्त किया हो। इस योजना से संबंधित जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र गौतम बुध नगर कार्यालय के पटल सहायक के मोबाइल नंबर 9650605618 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

महुआ बिनने गए ३ लोगों को हाथियों के झुंडने कुचला

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल ब्यौहारी । जिले में विगत दिनों से लगातार हाथियों का प्रकोप जारी है। हाथियों के दल ने ग्राम बांसा के पास जंगल में दो महिला एक पुरुष समेत कुल तीन लोगों

को कुचला मौके पर ही तीनों की मौत का मामला सामने आया है दय मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर लाया गया प्रशासन में मचा ह?कंप उच्च अधिकारियो का अमला जयसिंहनगर में दो दिनों में लगातार दूसरी घटना अब तक 5 लोग हाथियों के झुण्ड का शिकार हुए हैं । लगातार लोगों को मुनादी, सोशल मीडिया के माध्यम से जागरुक किया जा रहा है रात में लोगों को बाहर निकलने से परहेज करने को कहा गया है हाथियों के झुण्ड में हाथियों के बच्चे मौजूद है छुदा जंगलों की तरफ बढ़ रहा है हाथियों का झुण्ड । ब्योहारी विधायक शरद कोल ने घटना का जायजा लिया पुलिस प्रशासन एवं जंगल विभाग की टीम लगातार नजर रखे हुए ।

प्रदेश सरकार के कुशल प्रबन्धन से संचारी रोग हो रहा है नियंत्रित।

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व एवं प्रबन्धन का ही परिणाम है कि प्रदेश के पूर्वांचल के जनपदों में गत चार-पांच दशकों से बच्चों में फैली जानलेवा जापानी बुखार व दिमागी बुखार जैसे संचारी रोग को नियंत्रित कर लिया गया है। प्रदेश के पूर्वी जनपदों में संचारी रोग दशकों से आमजन के स्वास्थ्य को प्रभावित करता रहा है। यह रोग विशेषकर 15 वर्ष से नीचे की आयु के बच्चों को प्रभावित करता रहा है। इस रोग से सैकड़ों बच्चों की जान चली जाती थी। किन्तु प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने वर्ष 2017 में सरकार गठन के उपरान्त लगातार व्यापक जनसहभागिता के माध्यम से बचाव के लिए साफ-सफाई, टीकाकरण, जांच, दवाओं का वितरण, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था कर दिमागी बुखार रोग पर प्रभावी नियंत्रण किया है। प्रदेश सरकार द्वारा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान लगातार चलाकर समाज के अन्तिम व्यक्ति तक कार्यक्रम का सन्देश पहुंचाकर रोग से बचाव के उपायों पर बल देते हुए नियंत्रित किया है। प्रदेश में संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु अन्तर्विभागीय समन्वय एवं जनसहभागिता से चलाया जा रहा यह अभियान आज एक सशक्त मॉडल बन चुका है, जिसकी देश और विदेशों में चर्चा हो रही है। अन्तर्विभागीय समन्वय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के साथ बेसिक शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, पुष्टाहार, नगर विकास, कृषि, पशुपालन, उद्यान, जल निगम, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, चिकित्सा शिक्षा आदि है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान में 12 विभागों द्वारा समन्वय बनाकर कार्य किया जाता है, जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पोषाहार देते है। ग्रामीण ग्राम्य विकास व पंचायतीराज विभाग ग्राम स्तर पर नालियों, जल निकासी, गांवों की नियमित सफाई व मच्छर मारने की दवाओं का छिड़काव/फागिंग कराते है। नगर विकास विभाग नालियों मुहल्लों की सफाई, खुली नालियों को ढकने, कूड़ा उठान, दवाओं का छिड़काव, फागिंग आदि करते है। उथले हैंडपम्पों को चिन्हित करते है। कृषि विभाग किसानों को वैकल्पिक सिंचाई की जानकारी उद्यान विभाग मच्छर रोधी, पौधों को उगाने, पशुपालन विभाग सुअरों के बाड़ों को आबादी से दूर रखने, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग एईएस व जेई रोग के उपरान्त यदि कोई बच्चा दिव्यांग हुआ है तो उसे चिन्हित कर इलाज व उपकरण दिलाये जाने का कार्य किया जाता है। चिकित्सा विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग जांच, दवाओं का वितरण, इलाज, आदि समस्त स्वास्थ्य संबंधी कार्यों का दायित्व निभाते हैं। सरकार ने प्रदेश में लगातार चलाये जा रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के माध्यम से समाज और सरकार के बीच संवाद, सहयोग और विश्वास को मजबूत कर संचारी रोगों के विरूद्ध एक निर्णायक लड़ाई छेड़ रखी है। सरकार के अनवरत प्रयास और समाज के स्वैच्छिक सहभागिता का परिणाम है कि इस रोग के विरूद्ध अभूतपूर्व सफलता मिली है। वर्ष 2017 में एईएस के 4724 रोगी चिन्हित हुए थे और 655 मौतें हुई थी वही वर्ष 2018 से दिसम्बर 2021 तक मात्र 1568 रोगी चिन्हित हुए तथा मात्र 44 की मृत्यु हुई। इसी प्रकार जेई से वर्ष 2017 में जहां 693 रोगी चिन्हित हुए थे तथा 93 की मृत्यु हुई थी। वहीं लगातार अभियान चलाकर जांच, टीकाकरण इलाज का परिणाम है कि दिसम्बर 2021 तक मात्र 134 रोगी चिन्हित हुए और मात्र 3 की मृत्यु हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने चिकित्सालयों में संचारी रोग के रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्थायें की है। दिमागी बुखार के उपचार हेतु पूर्ण रूप से सुसज्जित 16 पीआईसीयू 15 मिनी पीआईसीयू, 117 ईटीसी, तथा 19 सेन्टीनल लैब संचालित है। प्रदेश सरकार संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु प्रतिवर्ष 3 चरणों में दस्तक एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाकर इस रोग पर पूर्ण नियंत्रण पाया है। प्रदेश के निष्क्रिय पड़े चिकित्सा केन्द्रों को उपकरण, दवायें तथा मानव संसाधन उपलब्ध कराते हुए इस अभियान को सक्रिय किया गया तथा आम जनता को उनके घर के निकट ही जांच, उपचार आदि समस्त स्वास्थ्य सुविधायें, उपलब्ध कराकर संचारी रोग को नियंत्रित किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 02 अप्रैल 2022 को जनपद सिद्धार्थनगर से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ करते हुए इस रोग से बचाव, रोकथाम व उपचार करते हुए पूर्ण नियंत्रण पर विशेष बल दिया है। प्रदेश के जनपदों में आशा कार्यकत्री 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक हर घर में जाकर लोगों को दिमागी बुखार, डेगूं, चिकनगुनिया, जापानी इन्फ्लाइटिस आदि रोगों से बचाव, लक्षणों एवं उपचार हेतु चिकित्सालयों पर मौजूद इलाज के सभी सुविधाओं के विषय में जानकारी देगी और आम जनता को जागरूक करेगी।

ह्यूमर की पाई-पाई जोड़कर मिडिल क्लास के किस्सों से भरी गुल्लक जानें- तीसरे सीजन में क्या है खास

नई दिल्ली। ओटीटी स्पेस में अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर ऐसी कई सीरीज मौजूद हैं, जिनमें मिडिल क्लास फैमिली की मान्यताओं और जद्दोजहद को कहानी में पिरोया गया है, मगर सोनी लिव की फ्लैगशिप वेब सीरीज गुल्लक इनमें से सबसे चर्चित और लोकप्रिय सीरीज है, जिसका हर सीजन एक ताजगी लेकर आता है। देश की आबादी का बड़ा हिस्सा जिस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, उसके किस्सों का यह सीरीज प्रतिनिधित्व करती है अब गुल्लक के तीसरे सीजन में एक बार फिर मिश्रा फैमिली मिडिल क्लास जीवन के नये 'एडवेंचर' लेकर आ आयी , जिसकी कहानी छोटे शहर-कस्बों में रहने वाले और मिडिल क्लास वैल्यूज के बीच बड़े होने वालों को अपनी जैसी लगेगी। इस गुल्लक की सबसे बड़ी खूबी इसका ह्यूमर है। तमाम जद्दोजहद के बीच कितनी भी संजीदा परिस्थिति हो, मगर ह्यूमर इसे दर्शक के लिए सघन नहीं होने देता। गुल्लक 3 में पांच एपिसोड्स है, जो सोनी लिव पर स्ट्रीम कर दिये गये हैं। गुल्लक वेब सीरीज की कहानी के केंद्र में मिश्रा परिवार है, जो उत्तर भारत के किसी छोटे कस्बे में रहता है। कस्बे की पहचान आप किरदारों के लहजे और बातचीत करने के अंदाज से कर सकते हैं। गुल्लक की सबसे बड़ी ताकत इसकी राइटिंग है। जिस तरह से यह शो लिखा गया है, वो लोगों को करीब लाता है। 'ऐसी

बढ़ा दो उसे बढ़ाना नहीं घटाना कहते हैं'। ये किरदार आपको अपने आस-पास के लगते है बिल्कुल प्राइम वीडियो की पंचायत की तरह, जो देश के ग्रामीण जीवन और व्यवस्था को दिखाती है, गुल्लक भारतीय मिडिल क्लास की मुकम्मल झलक है। गुल्लक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि यह तीसरे सीजन में भी अपनी पकड़ नहीं खोती, जो किसी सीरीज के लेखकों और रचयिताओं के लिए बड़ा मुश्किल होता है। मिश्रा परिवार की जिंदगी में ज्यादा कुछ नहीं बदला है, जैसा कि कस्बों के लोग अक्सर महसूस करते होंगे। सालों गुजर जाते हैं, मगर जिंदगी बसर करने का ढंग नहीं बदलता। शहरों के मुकाबले छोटे कस्बों के परिवारों की पुरानी पीढ़ी के दससस्य तकनीकी विकास की धारा के जाल में ज्यादा नहीं फंसते। संतोष मिश्रा बिजली विभाग के वही पुराने ईमानदार कर्मचारी हैं। पतने शांति मिश्रा आज भी परिवार और बच्चों के बीच मिश्रा जी से 'जूझ' रही है। बड़ा बेटा अनु प्राइवेट नौकरी करने के साथ अपने सपने पूरा करने बारे में सोचता है। छोटा बेटा अमन दसवीं में क्लास में टॉप 3 में आया है, उसकी अपनी अलग उड़ान है। छोटे-छोटे मुद्दों को डील करने के वक्त मिडिल क्लास सोच, उलाहना, ताने और तौर-तरीकों को जिस तरह सीरीज में पिरोया गया है, वो इसे विश्वसनीय बनाता है। सीरीज के मुख्य कलाकार जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, वैभव राज गुप्ता और हर्ष मायर इस सीरीज के लिखे को जिस तरह से पर्दे पर उतारते हैं, वो कमाल है। सीरीज के पांचों एपिसोड्स को चैप्टर्स की तरह ट्रीट किया गया है- मिशन एडमिशन, एलटीए, अगुआ, सत्यनारायण की व्रत कथा और इज्जत की चमकार। शुरुआती एपिसोड्स में पुराने एपिसोड्स की पुनरावृत्ति लग सकती है, मगर तीसरे एपिसोड के बाद सीरीज रफ्तार पकड़ती है, जो आखिरी एपिसोड्स तक जारी रहती है और पांचवां एपिसोड एक रोमांचक बिंदु पर पहुंचकर खत्म होता है। गुल्लक 3 सही मायनों में फैमिली ड्रामा है, जो परिवार के साथ देखने पर ही लुत्फ देता है, साथ ही एक राहत भी। सीरीज को विंच वॉच करके ही आप उठेंगे।

200 करोड़ का पड़ाव आज पार करेगी आरआरआर, नहीं तोड़ सकी 'द कश्मीर फाइल्स' का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एसएस राजामौली की मेगा बजट फिल्म आरआरआर के हिंदी वर्जन ने शुरुआत में जो रफ्तार पकड़ी थी, वो दूसरे हफ्ते में शिथिल पड़ गयी, जिसके चलते फिल्म को 200 करोड़ के पड़ाव तक पहुंचने में थोड़ा विलम्ब हुआ और द कश्मीर फाइल्स का रिकॉर्ड तोड़ने में विफल रही। आरआरआर के मुकाबले बेहद कम बजट में बनी द कश्मीर फाइल्स ने 200 करोड़ का पड़ाव रिलीज के 13वें दिन हासिल कर लिया था। अब आरआरआर भी 13वें दिन ही 200 करोड़ का पड़ाव पार करेगी। दूसरे वीकेंड के बाद वर्किंग वीक में आरआरआर की गति आश्चर्यजनक रूप से घटी है। मंगलवार को रिलीज के 12वें दिन आरआरआर ने 6.50 करोड़ का कलेक्शन किया, जिसके साथ फिल्म का 12 दिनों का कलेक्शन 198.09 करोड़ हो चुका है, यानी फिल्म 200 करोड़ से महज 1.91 करोड़ दूर है, जो आज 13वें दिन मिल जाएगा। अगर दूसरे हफ्ते में फिल्म की रफ्तार की बात करें तो दूसरे शुक्रवार को फिल्म ने 13.50 करोड़, शनिवार को 18 करोड़ और रविवार को 20.50 करोड़ बटोरे थे, जबकि सोमवार को कलेक्शंस एकदम से गिरे और फिल्म का हिंदी वर्जन सिर्फ 7 करोड़ का कलेक्शन ही कर सका था। अगर दूसरे वीक में आरआरआर के कलेक्शंस में इतनी गिरावट नहीं आती तो फिल्म मंगलवार को ही 200 करोड़ का पड़ाव पार कर लेती। अब अगर द कश्मीर फाइल्स की बात करें तो महज 3.55 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली फिल्म ने ऐसी रफ्तार पकड़ी कि 13वें दिन 200 करोड़ का पड़ाव पार कर लिया। आरआरआर के सिर्फ हिंदी वर्जन की बात करें तो फिल्म द कश्मीर फाइल्स के इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सकी। 2022 में रिलीज हुई फिल्मों में आरआरआर (हिंदी) दूसरी फिल्म है, जिसने कम से कम 200 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। वहीं, वर्ल्डवाइड कलेक्शंस की बात करें तो आरआरआर 1000 करोड़ के ग्रॉस कलेक्शन के बेहद नजदीक पहुंच गयी है और जल्द यह अहम पड़ाव पार करने वाली है। आरआरआर हिंदी के सामने अपने कलेक्शंस बढ़ाने के लिए एक हफ्ता और है, क्योंकि उसके बाद साल की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 सिनेमाघरों में 14 अप्रैल को पहुंच रही है, जिसके बाद आरआरआर के कलेक्शंस प्रभावित हो सकते हैं।

जेल में न्यूड घूमने की सलाह पर भड़कीं मदना करीमी, अश्लील बातें करने पर अजमा की लगाई क्लास

नई दिल्ली। कंगना रनोट के अत्याचारी खेल में इन दिनों कंटेस्टेंट्स के बीच काफी धमासान दखेने को मिल रहा है। पिछले एपिसोड में एक बार फिर वाइल्ड कार्ड एंट्री मंदाना करीमी और आजमा फलाह के बीच जमकर लड़ाई हुई। आजमा ने कहा कि जब वह वहां से गुजर रही थी तो उन्होंने मंदाना को हिन्दी में गालियां देते हुए सुन अजमा ने रिएक्शन दिया, 'क्या आपके माता-पिता ने आपको ये नहीं सिखाया क्या बोलना चाहिए। अरे हां, तुमने अपने मां और पिताजी

को छोड़ दिया है।' मंदाना ये सुनकर वह बहुत नाराज हो जाती हैं और वह आजमा का हेयरबैंड तोड़ देती हैं। साथ ही चेतावनी देती है कि 'अगली बार जब आप मेरी मां और पिताजी के बारे में बात की, तो आपका चेहरा टूट जाएगा। आजमा ने मंदाना पर कुछ दिनों पहले ही अपने पिता को गालियां देने का आरोप लगाया लेकिन बाद में कहा कि वह कैमरे को देखकर मंदाना से फारसी भाषा में बात कर रही थीं। आजमा ने मानने से इनकार कर दिया। आजमा का यह भी कहना है कि मंदाना ने उनकी गर्दन पकड़ी और कई बार फिजिकली हुई। हालांकि आजमा का कहना है कि मंदाना खुद अपने परिवार के बारे में बुरा बोलती है और उसे बताया था कि उसके पूर्व पति की मां अश्लील डांस करती थीं। आजमा ने मंदाना पर अपने माता-पिता के बारे में गलत तरीके से बोलने का भी आरोप लगाया। मंदाना ने गुस्से में सायशा शिंदे से कहा कि वो आजमा को उसके सामने से ले जाएं। जिस पर, आजमा ने कहा, 'मैं आपके सभी सामानों को छिपाऊंगी और नष्ट कर दूंगी, जिसमें आपके इनवियर भी शामिल है, फिर न्यूड घूमती रहना लॉक अप में। बता दें कि मंदना इससे पहले बिग बॉस में भी नजर आ चुकी हैं। पर लॉक में जब से वो आई हैं उनकी किसी ना किसी बात पर मंदाना से लड़ाई हो ही जाती है।

अब मार्वल के इस सुपरहीरो के साथ प्रियंका चोपड़ा आएंगी नजर, अमेजन की 'एंडिंग थिंग्स' में ऐसा होगा एक्ट्रेस का रोल

नई दिल्ली। बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग का दम दिखाने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। वह एक बार फिर से हॉलीवुड फिल्म में एक्शन करती दिखाई देंगी। प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड फिल्मों के

दिग्गज और मशहूर अभिनेता एंथोनी मैकी के साथ इस बार स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी। एंथोनी मैकी कई शानदार फिल्मों में एक्टिंग कर चुके हैं। वह मार्वल स्टूडियो के बहुचर्चित सुपरहीरो कैप्टन अमेरिका का भी रोल कर चुके हैं। अंग्रेजी वेबसाइट डैडलाइन्स की खबर के अनुसार एंथोनी मैकी और प्रियंका चोपड़ा अमेजन प्राइम वीडियो के प्रोजेक्ट एंडिंग थिंग्स में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन केविन सुलिवन करेंगे। 'एंडिंग थिंग्स' मशहूर फिल्ममेकर जेम्स कैमरून की फिल्म ट्रू लाइन्स की तर्ज पर होगी। जिसकी कहानी जेंडर-रिवर्सल की तरह है जिसमें एक खूनी महिला हत्या के बिजनेस से बाहर निकलना चाहती है, और वह अपने बिजनेस पार्टनर को बताती है कि वह अपने व्यक्तिगत संबंधों को भी समाप्त कर रही है। लेकिन उसे महसूस होता है कि वह अपने रिश्ता खत्म नहीं कर सकती है। जिसके बाद दोनों एक टीम की तरह आखिरी बार काम करते हैं और फिर आखिरी रात के लिए सेना में शामिल होते हैं। एंडिंग थिंग्स में प्रियंका चोपड़ा और एंथोनी मैकी का किरदार कैसा होगा इसको लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुआ है। न ही प्रियंका चोपड़ा ने अभी इस खबर को लेकर अपनी कोई प्रतिक्रिया दी है। उम्मीद है, जल्द ही वह इसका आधिकारिक एलान करेंगी। वहीं इस फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा और एंथोनी मैकी के फैंस काफी एक्साइटेड हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा अब तक कई हॉलीवुड फिल्मों में एक्टिंग करते हुए नजर आ चुकी है। बीते दिनों उन्हें अभिनेता कियानू रीव्स की बहुचर्चित एक्शन फिल्म द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस में देखा गया था। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने अपने शानदार एक्शन से काफी सुखिय्यां बटोरी थीं। इसके अलावा उन्होंने बीते दिनों अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज सिटेडल की शूटिंग पूरी की है, जिसे रूसो ब्रदर्स ने क्रिएट किया है।

रणबीर कपूर की एक्स गर्लफ्रेंड्स के सवाल पर आलिया बोलीं- मैं थोड़े ना

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट 10 दिनों बाद शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। पिछले 4 सालों से ये कपल एक दूसरे को डेट कर रहा, साल 2018 में सोनम

कपूर और आनंद आहूजा के शादी के रिसेप्शन में एक जोड़े के रूप में पहली बार मीडिया के सामने आए थे। इसके बाद तो आलिया-रणबीर हाथों में हाथ डाले डिनर डेट और विकेशन मनाते नजर आते रहते हैं। फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में आलिया ने रणबीर को 'डिफिकूट' नहीं बल्कि 'जेम' कहा था। उन्होंने कहा, 'मैं आपको बता दूं कि वह मुश्किल नहीं है। वह बेहद साधारण इंसान हैं। वह इतने अच्छे इंसान है कि काश मैं भी उनके जैसी ही अच्छी होती। एक अभिनेता के रूप में, एक व्यक्ति के रूप में, सब कुछ के रूप में। वह मुझसे कहीं बेहतर इंसान हैं। और शादी करने के बारे में? खैर, यह केवल एक चीज है जो अभी परेशान कर रही है। हर सुबह मुझे खबर मिलती है कि मेरी शादी हो रही है। मैं उसे बताता हूं कि क्या ये सब, मुझे लगता है कि उन्हें इसकी आदत हो गई है।' रणबीर के अतीत पर बोलते हुए, उन्होंने कहा था, 'यह कैसे मायने रखता है? यह किसी के जीवन का हिस्सा है और कौन परवाह करता है। और मैं थोड़ी न कम हूं।' रणबीर के साथ शादी के बंधन में बंधने पर आलिया का जवाब था, शादी मेरे बैंडविड्थ में नहीं है अभी। मुझे अभी काम और जीवन के मामले में बहुत कुछ करना है, मैं इन सबके लिए अभी बहुत छोटी हूं। पिछले साल दिसंबर में ब्रह्मास्त्र के मोशन पोस्टर लॉन्च इवेंट के दौरान एक फैन ने रणबीर से पूछा था, 'आप आलिया या किसी और से कब शादी करेंगे?' रणबीर ने जवाब दिया था, 'क्या हमने पिछले साल बहुत सारे लोगों को शादी करते नहीं देखा? मुझे लगता है कि हमें इससे खुश होना चाहिए।' हालांकि, आलिया की ओर मुड़ते हुए उन्होंने कहा, 'हमारी कब होगी?' जिस पर शरमाते हुए आलिया ने जवाब दिया था, 'तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो।

गौहर खान ने रमजान के महीने में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया फनी वीडियो, लोगों ने ट्रोल कर कही ये बात

नई दिल्ली। रमजान का महीना काफी पाक माना जाता है। ऐसे में टेलीविजन और बॉलीवुड के कई सितारे भी रोजा रखते हैं। इस समय में कई सितारे अपनी शूटिंग

से समय निकालकर अपने परिवार संग समय बिताते हैं और एक समय स्वादिष्ट खाना खाते हैं। गौहर खान भी हर साल रोजा रखती हैं, लेकिन एक कलाकार होने के नाते वह कभी भी अपने फैन्स का मनोरंजन करने से पीछे नहीं रहतीं। हाल ही में गौहर खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए ये बताने की कोशिश की कि जो लोग रोजा रखकर पूरे दिन भूखे रहते हैं, उनके बारे में लोग क्या सोचते हैं। गौहर खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। अपनी इस वीडियो में वह लोगों की सोच को बयां करते हुए नजर आ रही हैं। दरअसल इस वीडियो को जरिए गौहर खान ने बताया कि रोजा करने वालों के बारे में सोचकर लोगों को ऐसा लगता है कि वह खाना देखने के बाद खुद को नहीं रोक पाते। लेकिन अपनी इस वीडियो को जरिए गौहर खान ने बताया कि ऐसा नहीं है और उन्होंने एक्सपेक्टेशन वर्सेस रियलिटी का एक वीडियो पोस्ट किया।

अमिताभ बच्चन ने स्वीकार की बेटे अभिषेक की फिल्म 'दसवीं' के प्रमोशन की बात कहा- क्या कर लोगे

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी वेब फिल्म दसवीं को लेकर सुखिय्यों में हैं। उनकी यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। अभिषेक बच्चन फिल्म दसवीं का जोर-शोर से प्रमोशन भी कर रहे हैं। इतना ही नहीं उनके

पिता और हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन भी इस फिल्म को सोशल मीडिया पर प्रमोशन कर रहे हैं। वह ट्वीट कर कई मौकों पर अभिषेक बच्चन की नई फिल्मी की तारीफ कर चुके हैं। हालांकि अमिताभ बच्चन को बेटे की फिल्म का प्रमोशन करने पर कई लोगों ने सवाल उठाए हैं, जिसका अब अभिनेता से करारा जवाब दिया है। सवाल करने वालों को अमिताभ बच्चन ने जवाब देते हुए कहा कि 'क्या कर लोगे ?' यह बात अमिताभ बच्चन ने ट्विटर के जरिए कही है। बिग बी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाले कलाकारों में से एक हैं। वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अक्सर खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं। अमिताभ बच्चन ने बिना किसी का नाम लिए अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, 'जी हां हुजूर, मैं करता हूं : बधाई, प्रचार, मंगलाचार क्या कर लोगे । सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन का यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेता के फैंस उनके ट्वीट पर काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बात करें अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवीं की तो यह फिल्म 7 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म दसवीं का निर्देशन तुषार जलोटा कर रहे हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन जाट नेता गंगा राम चौधरी का किरदार कर रहे हैं, जो ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है और भ्रष्टाचार के आरोप में वह जेल पहुंच जाता है। वहीं फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम जेलर का किरदार कर रही हैं। दसवीं में निम्रत कौर भी हैं जो गंगा राम चौधरी की पतने बिमला देवी का किरदार निभा रही हैं, जो चौधरी के जेल जाने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालती है। फिल्म दसवीं की शूटिंग आगरा जेल में हुई है। बीते दिनों इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म को लेकर अभिषेक बच्चन के फैंस काफी एक्साइटेड है।

'दसवीं' की रिलीज से पहले नेटफ्लिक्स ने 'लीक' किया ऑडिशन का फुटेज, बेहद गुस्से में दिखे अभिषेक बच्चन

नई दिल्ली।अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवी 7 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। फिल्म की रिलीज से नेटफ्लिक्स ने जूनियर बच्चन का एक ऑडिशन फुटेज शेयर किया है, जिसमें वो बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ नेटफ्लिक्स ने अभिषेक के गुस्से की वजह का खुलासा भी किया है। वीडियो में अभिषेक से ऑडिशन के लिए कहा जाता है तो वो भड़क जाते हैं और टीम के सदस्यों से कहते हैं कि वो 70 फिल्में कर चुके हैं और तुम लोग मेरा ऑडिशन लेने आये हो। इसके बाद जूनियर बच्चन कैमरामैन से कहते हैं, तू यहां कर रहा है और उसे धक्का देते हैं। दरअसल, यह एक प्रमोशनल वीडियो है, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म ने रिलीज से पहले जारी किया है। इसके साथ स्टेटमेंट में कहा गया है- हम अभिषेक बच्चन को नाराज नहीं करना चाहते और इस लीक वीडियो की वजह से उन्हें गुस्सा आया हो तो इसके लिए माफी मांगना चाहते हैं। दसवीं बहुत तनावपूर्ण हो सकती है और हमें यकीन है कि वो खुद एंजॉय कर रहे हैं। हम उन्हें आने वाली परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं। तुषार जलोटा निर्देशित दसवीं में अभिषेक बच्चन जाट नेता गंगा राम चौधरी के किरदार में हैं, जो ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है। भ्रष्टाचार के आरोप में वो जेल पहुंच जाता है। जेलर बनी यामी गौतम के किरदार से बहस के बाद वो दसवीं पास करने की ठान लेता है और इसकी तैयारियों में जुट जाता है। निमरत कौर फिल्म में गंगाराम चौधरी की पतने बिमला देवी का किरदार निभा रही है, जो चौधरी के जेल जाने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालती हैं। दसवीं की शूटिंग आगरा जेल में हुई है। फिल्म की पहली स्क्रीनिंग भी आगरा जेल में रखी गयी थी, जहां जेल के स्टाफ और कैदियों ने फिल्म देखी। अभिषेक बच्चन ओटीटी स्पेस में खूब सक्रिय है। नेटफ्लिक्स पर अभिषेक बच्चन की इससे पहले लूडो रिलीज हुई थी। वहीं, डिजने प्लस हॉटस्टार पर द बिग बुल आयी थी।

'आश्रम' की 'बबिता' ने बिकिनी पहन दुबई में मचाया बवाल पोज देख हर कोई रह गया दंग

नई दिल्ली। चर्चिम वेब सीरीज 'आश्रम' में अपनी एक्टिंग और बोल्ड कैरेक्टर की वजह से चर्चा में रहीं 'बबीता' यानी त्रिधा चौधरी इनदिनों अपनी हॉट तस्वीरों के जरिए फैंस के होश उड़ा रह हैं। त्रिधा चौधरी न सिर्फ पर्दे पर बल्कि रियल लाइफ में भी काफी बोल्ड हैं। इन दिनों त्रिधा सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी हॉटनेस से आग लगाती रहती हैं। एक्टिंग के साथ त्रिधा सोशल

प्लेटफॉर्म भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इसी बीच त्रिधा के एक लेटेस्ट बोल्ड तस्वीर ने हर किसी को हैरान कर दिया है। उनकी इस तस्वीर ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है। यहां देखें तस्वीर बबिता यानी त्रिधा चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है जो बेहद बोल्ड है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि ?त्रिधा व्हाइट कलर की प्रिंटेड बिकिनी में नजर आ रही हैं, जिसमें वह बेहद हॉट लग रही हैं। तस्वीर में उनके हवा में उड़ते बाल और सनग्लासेस पहन कैमरे के सामने बोल्ड पोज देने के अंदाज ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस तस्वीर ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है। त्रिधा की इस हॉट फोटो पर लगातार कमेंट कर यूजर्स उनकी तारीफ करते दिख रहे हैं। वहीं इस पर कई यूजर्स हॉट, बोल्ड, ग्लैमरस, हॉर्ट, ब्यूटीफुल और फायर, किलर जैसे कमेंट और इमोजी शेयर कर उनकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं आपको बता दें कि 'आश्रम' की एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी की इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर त्रिधा को 2.2 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। वहीं खुद त्रिधा सोशल इंस्टा पर 302 लोगों को फॉलो करती हैं। वहीं 'आश्रम' से पहले त्रिधा चौधरी कई बंगाली और तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है जो काफी चर्चा में रहा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।